अनमोल वचन
"जो लोग ठोकर खाकर भी चलते रहते हैं, वही एक दिन मंज़िल पाते हैं।"

RNI NO. BHHIN/25/A5267

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेल: rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्ष:- 1 अंक:- 5 सुपौल, माह मई, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) पृष्ठ: 8 मूल्य: 5/- रू.

एक नजर

पुडुचेरी में एनडीए सरकार का गठन, एन रंगासामी ने सीएम पद की शपथ ली, बीजेपी को भी मिली सत्ता में हिस्सेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के नेता एन रंगासामी ने बुधवार को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह के दौरान भाजपा नेता ए. नमस्सिवयम ने भी पुडुचेरी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद मुख्यमंत्री रंगासामी ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और नवगठित राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिए सभी आवश्यक योजनाओं को और भी प्रभावी ढंग से लागू करना हमारी सरकार का कर्तव्य है। हम निश्चित रूप से इस जिम्मेदारी को उत्कृष्टता के साथ निभाएंगे।''

विजय ने विश्वास मत जीता, तमिलनाडु विधानसभा में 144 वोटों से साबित किया प्रचंड बहुमत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बुधवार को सी. जोसेफ विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में अपना बहुमत सफलतापूर्वक साबित कर दिया, जिससे तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली नवगठित सरकार की स्थिति और मजबूत हो गई। विश्वास मत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वामपंथी दलों और विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) सहित गठबंधन के सभी सहयोगियों का समर्थन मिला, जिन्होंने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश करते समय विजय का समर्थन किया था। हालांकि, द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) ने विधानसभा से वॉकआउट करने का फैसला किया। विजय ने 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत जीत लिया, जिसमें 144 विधायकों ने उनकी सरकार का समर्थन किया और उन्हें आसानी से बहुमत का आंकड़ा 118 पार कर लिया।

सोनिया गांधी अस्पताल से लौटीं, जयराम रमेश ने नीट-एनटीए मुद्दे पर मोदी सरकार को जमकर घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में नियमित चिकित्सा जांच करवाई और अब वे घर लौट चुकी हैं। गांधी को दिन में पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार को रमेश ने कथित पेपर लीक के कारण NEET परीक्षा रद्द किए जाने के बाद केंद्र सरकार की कड़ी निंदा की।

उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के बुनियादी पुनर्गठन की मांग की और जोर देकर कहा कि भारत की प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एजेंसी को मोदी सरकार के भ्रष्ट गुर्गों से दूर रखा जाना चाहिए।

महिलाओं को इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर मिलेगा 1 लाख रुपये का अनुदान

▶ माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई मंत्री परिषद की बैठक में बिहार इलेक्ट्रिक वाहन (संशोधन) नीति, 2026 को मिली मंजूरी ▶ स्वच्छ परिवहन, रोजगार सृजन और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में ऐतिहासिक पहल ▶ वर्ष 2030 तक बिहार में क्रय एवं निबंधन होने वाले नये वाहनों में से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन का लक्ष्य ▶ इससे बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन से वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ लीटर पेट्रोल/डीजल की बचत होगी।

संवाददाता

पटना: बिहार सरकार ने राज्य में हरित, आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित मंत्रिपरिषद् की बैठक में बिहार इलेक्ट्रिक वाहन (संशोधन) नीति, 2026 को स्वीकृति प्रदान कर दी गई। नई नीति के लागू होने से बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को व्यापक प्रोत्साहन मिलेगा तथा प्रदूषण नियंत्रण के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बिहार में इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन से वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष लगभग 10 करोड़ लीटर पेट्रोल/डीजल की बचत होगी। इससे न केवल राज्य को प्रत्यक्ष रूप से आर्थिक बचत होगी और आम जनता का परिवहन खर्च घटेगा, बल्कि वायुमंडल में लाखों टन कार्बन उत्सर्जन रुकने से वायु गुणवत्ता में भी भारी सुधार होगा। महिलाओं को विशेष प्रोत्साहनः परिवहन सचिव श्री राज कुमार ने बताया कि नई नीति के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन खरीदने पर प्रति वाहन 1 लाख रुपये का अनुदान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वाली महिलाओं को 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। प्रोत्साहन राषि वर्ष 2026-27 के लिए देय होगा। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विभिन्न वर्गों के लिए आकर्षक अनुदानः इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 10 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग को 12 हजार रुपये प्रति वाहन अनुदान दिया जाएगा। वहीं इलेक्ट्रिक मालवाहक तिपहिया वाहन की खरीद पर सामान्य वर्ग को 50 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग को 60 हजार रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। रोजगार और स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावाः राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री बिहार पर्यावरण अनुकूल परिवहन रोजगार योजना के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ावा देने की रणनीति बनाई गई है। इस योजना से युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर विकसित होंगे तथा परिवहन क्षेत्र में आधुनिक एवं कम लागत वाली सेवाओं का विस्तार होगा। मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक की छूटः नई नीति के तहत बिहार में क्रय एवं निबंधित सभी इलेक्ट्रिक वाहनों को मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर भारत सरकार की नीति के अनुरूप अतिरिक्त प्रोत्साहन का लाभ भी दिया जाएगा। इससे आम लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करने में मदद मिलेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का होगा व्यापक विस्तारः राज्य सरकार सार्वजनिक एवं निजी चार्जिंग स्टेशनों के विकास को भी प्राथमिकता देगी।

फॉर्मर रजिस्ट्री का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला के नगर भवन में आयोजित किया गया

संवाददाता

सावन कुमार, भा0प्र0से0, जिला पदाधिकारी, सुपौल की अध्यक्षता में फॉर्मर रजिस्ट्री का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला के नगर भवन में आयोजित किया गया है।

फॉर्मर रजिस्ट्री जिला के सभी रैयत कृषकों का बनना है। जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा निदेश दिया गया कि सभी FR धारक प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि सुनिश्चित करेंगे। इस कार्य को कैंप मोड में करेंगे । अंचलाधिकारी अपने स्तर से नियमित समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित कर्मी विभागीय निदेश के आलोक के स-समय कार्य का निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे। जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा यह भी निदेश दिया गया कि जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर कंट्रोल रूम का गठन कर प्रतिदिन नियमित प्रगति की समीक्षा कर जिला कृषि पदाधिकारी जिला का समेकित प्रतिवेदन प्रत्येक दिन 4:30 बजे अपराह्न में उपलब्ध कराएंगे । प्रशिक्षण में जिला कृषि पदाधिकारी, सभी अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, सहायक निदेशक बीज उत्पादन, उप परियोजना निदेशक आत्मा सुपौल, अंचलाधिकारी ,राजस्व अधिकारी, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, सभी कृषि समन्वयक, सभी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सभी सहायक तकनीकी प्रबंधक, सभी हल्का कर्मचारी,सभी किसान सलाहकार विकास मित्र, पंचायत रोजगारसेवक, पंचायत कार्यपालक सहायक, इंद्रा आवास सहायक, बंदोबस्त अमीन, कानूनगो, राजस्व कर्मचारी अन्य उपस्थित हुए।

पूर्व उप मुख्यमंत्री पद्मभूषण स्व सुशील कुमार मोदी की पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुये मुख्यमंत्री

संवाददाता

पटना: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज राजेन्द्र नगर, रोड नम्बर 8 सी स्थित सुशील कुमार मोदी स्मृति पार्क में पूर्व उप मुख्यमंत्री पद्मभूषण स्व० सुशील कुमार मोदी की पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुये। मुख्यमंत्री ने स्व० सुशील कुमार मोदी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेन्द्र, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेन्द्र कुमार रौशन, डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंदकिशोर राम, खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ० प्रमोद कुमार, सांसद राधामोहन सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, विधायक मंगल पांडेय, विधायक विनोद नारायण झा, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक प्रमोद कुमार, विधायक संजय गुप्ता, विधायक रत्नेश कुमार, विधायक गायत्री देवी, विधायक छोटी कुमारी, विधान पार्षद राजेन्द्र गुप्ता, विधान पार्षद अनिल शर्मा, सवर्ण आयोग के अध्यक्ष महाचन्द्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक अरूण कुमार सिन्हा, स्व० सुशील कुमार मोदी की धर्मपत्नी जेसी जॉर्ज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भी स्व० सुशील कुमार मोदी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

अब पीएम मोदी के काफिले में चलेंगी केवल दो गाड़ियां, ईंधन बचाने की अपील के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है। SPG प्रोटोकॉल के अनुसार, सुरक्षा के आवश्यक घटकों को बरकरार रखते हुए वाहनों की संख्या में यह कटौती की गई है। पीएम मोदी ने देश से ईंधन की खपत कम करने को कहा था। जिसके बाद उन्होंने खुद अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या को कम कर दिया है। पीएम मोदी की अपील के बाद कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने भी अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या को कम किया है। पीएम मोदी की अपील के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या आधे से भी कम कर दी है। गृहमंत्री के अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ईंधन की बचत के लिए अपने-अपने काफिले में कटौती की है।

लोक शिकायत निवारण के द्वितीय अपील की कुल-25 वादों की सुनवाई की गयी

सावन कुमार, भा0प्र0से0, जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा लोक शिकायत निवारण के द्वितीय अपील की कुल-25 वादों की सुनवाई की गयी, जिसमें 17 वादों का निष्पादन किया गया तथा 06 वादों की सुनवाई हेतु अगली तिथि दिनांक 19.05.2026 एवं 02 वादों में दिनांक 02.06.2026 की तिथि निर्धारित की गई। सुनवाई में अंचल अधिकारी, सुपौल, राजस्व अधिकारी, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सुपौल कार्यालय वेश्म में उपस्थित हुए तथा विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी, निर्मली, त्रिवेणीगंज, सरायगढ़-भपटियाही तथा कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, निर्मली उपस्थित हुए।

बिहार में जनगणना 2027 का पहला चरण 31 मई 2026 तक जारी है। इस चरण में प्रगणक आपसे 33 प्रश्नों के जवाब मांगेंगे। जब प्रगणक आपके घर आएं तब उनका स्वागत करें और सही जानकारी ही दें।

बिहार के लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु 19 मई से पंचायत स्तर पर प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को ''सहयोग शिविर'' का आयोजन किया जाएगा। अपने पंचायत में आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तिथि एवं स्थान की जानकारी आप सहयोग हेल्पलाइन नंबर 1100 पर कॉल करके प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदेश के निजी विद्यालयों हेतु आवश्यक सूचना

संक्षिप्त खबरें

बिहार की राजनीति के एक युगपुरुष थे सुशील मोदी

संवाददाता

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री पद्मभूषण सुशील कुमार मोदी की द्वितीय पुण्यतिथि पर बुधवार को राजधानी के बोरिंग रोड स्थित भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के कैंप कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने की। श्रद्धांजलि सभा में प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक अमृतेष कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, संजीव कुमार पाल, अंजनी कुमार गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, मुख्य प्रवक्ता नरेश महतो, कोषाध्यक्ष प्रिंस कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय प्रभारी देवेंद्र कुमार गुप्ता, महिला विभाग से अमृता गुप्ता, जयश्री भौमिक, शालिनी शेखर, दिलीप कुमार एवं अरुण कुमार आदि ने स्व. मोदी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सुशील मोदी बिहार की राजनीति के एक युगपुरुष थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संगठन, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वे कुशल प्रशासक, दूरदर्शी नेता और उत्कृष्ट वक्ता थे। बिहार के विकास, वित्तीय अनुशासन और सुशासन स्थापित करने में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत करने वाले सुशील मोदी ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया और बाद में बिहार की राजनीति में एक सशक्त एवं विश्वसनीय नेतृत्व के रूप में स्थापित हुए। वही अन्य वक्ताओं ने कहा कि सुशील मोदी का व्यक्तित्व अत्यंत सरल, सहज और जनसरोकारों से जुड़ा हुआ था। वे कार्यकताओं के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत थे।

उनकी ईमानदारी, संगठन के प्रति निष्ठा और जनहित के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श है। सभा में उपस्थित नेताओं ने संकल्प लिया कि वे सुशील कुमार मोदी के बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

बाढ़ में 'डायन-बिसाही' के शक में बुजुर्ग दंपति पर हमला, पिता गंभीर घायल

संवाददाता

बाढ़ अनुमंडल के पूरा गांव में अंधविश्वास और पारिवारिक विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है। 'डायन-बिसाही' के शक में बेटे और बहू द्वारा अपने ही बुजुर्ग माता-पिता के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगा है। इस हमले में पिता कृष्णा यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना पूरा गांव की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, कृष्णा यादव की छोटी बहू रिंकू देवी की अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद कृष्णा यादव उन्हें इलाज के लिए स्थानीय क्लीनिक ले गए। इलाज के बाद घर लौटने पर बच्चों के बीच विवाद शुरू हो गया। रिंकू देवी का आरोप है कि उनके छोटे बेटे के साथ बड़े बेटे के बच्चों ने मारपीट की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो विवाद और बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान बड़े बेटे और उसकी पत्नी ने तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक कर परिवार पर ''चुड़ैल भेजने'' का आरोप लगाया। स्थिति बिगड़ने पर रिंकू देवी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद जब कृष्णा यादव और उनकी पत्नी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपित बेटे और बहू का गुस्सा उन पर फूट पड़ा। मारपीट में कृष्णा यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी पक्ष फरार बताया जा रहा है। घायल कृष्णा यादव ने पुलिस को घटना की सूचना दे दी है। उन्होंने कहा है कि इलाज पूरा होने के बाद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

कछुए की धीमी गति को भी पीछे छोड़ दिया है पटना मेट्रो प्रोजेक्ट: राजेश राठौड़

संवाददाता

पटना: पटना मेट्रो प्रोजेक्ट की कछुए से भी धीमी गति से चलते काम और हो रहे विलंब पर हमलावर होते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि ऐसी गति में सैंकड़ों वर्षों का यह प्रोजेक्ट बन कर रह जाएगा। बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि मात्र 3 किलोमीटर निर्मित पटना मेट्रो को चुनावी लाभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आनन फानन में उद्घाटन तो कर दिया लेकिन आज भी 3 किमी से आगे का परिचालन शुरू नहीं हो सका। बिहार की एनडीए सरकार पर बरसते हुए उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल डीजल के मूल्यों में वृद्धि पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मेट्रो से चलने का संदेश जारी करते हैं लेकिन आम जनता उनके अपील को पढ़कर आश्चर्यचकित है कि आखिर उनकी एनडीए सरकार ने इस प्रोजेक्ट को लटकाएं क्यों रखा है? मुख्यमंत्री स्पष्ट रूप से बताएं कि क्या बजट के अभाव में यह प्रोजेक्ट लेट हो रहा है या कर्तव्यहीन अधिकारी के कारण इसमें देरी हो रही है? यदि ऐसा है तो दिल्ली मेट्रो प्रोजेक्ट को आधार मानकर ई. श्रीधरन जैसे ही तेज तर्रार अधिकारियों की नियुक्ति हो जिससे मेट्रो का कार्य अविलंब पूरा हो। दिल्ली जैसे शहर में मेट्रो का कार्य समय से पूर्व पूरा हो जाता है जबकि पटना में यह कार्य अधर में लटका हुआ है। पटनावासियों को मेट्रो की सुविधा मिलने में कछुए की गति को भी वर्तमान सरकार ने फेल कर दिया है। राज्य सरकार के पास पैसे का अभाव है और उसका कोई भी प्रोजेक्ट समय पर पूरा होने की स्थिति में नहीं है। मेट्रो को लेकर चुनावी लाभ के उद्देश्य से बहुत भुनाया गया लेकिन अब तक लाखों की रोजाना लागत के बाद सरकार को आमदनी मात्र 7-8 हजार रुपए रोजाना हो रही है क्योंकि यह अदूरदर्शी सोच के साथ शुरू की गई एक लेटलतीफ प्रोजेक्ट बनकर रह गई है। पटना मेट्रो को जल्द शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अविलंब हस्तक्षेप करते हुए आवश्यक राशि विमुक्त करनी चाहिए लेकिन केवल चुनावों में जुमलों की बारिश करने के बाद वें बिहार से सारे नाते रिश्ते तोड़कर चल जाते हैं।

छात्राओं को फर्श पर बिठाकर परीक्षा लेने का एबीवीपी ने किया विरोध

संवाददाता

औरंगाबाद : अनुग्रह नारायण सिंह महाविद्यालय में आयोजित यूंजी सेमेस्टर 2 की परीक्षा में शामिल छात्राओं को फर्श पर बिठाकर परीक्षा लेने का एबीवीपी ने विरोध किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुग्रह नारायण सिंह महाविद्यालय औरंगाबाद में किशोरी सिन्हा महिला महाविद्यालय के UG सेमेस्टर 2 की आयोजित परीक्षा में अव्यवस्था के कारण छात्राओं को नीचे फर्श पर बैठकर परीक्षा देने को मजबूर होना पड़ा ऐसे व्यवस्था में कैसे कदाचार मुक्त परीक्षा की कल्पना कर सकते है अगर महाविद्यालय में प्रयाप्त संसाधन नहीं हैं तो विश्वविद्यालय आगे से ऐसे महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र नहीं बनाये अन्यथा छात्रा सम्मान को ध्यान में रखते हुए परिषद आंदोलन को बाध्य होगी . उक्त बाते परिषद के नगर मंत्री प्रभात कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महाविद्यालय व विश्वविद्यालय प्रसाशन से पूछा है वही परिषद की कार्यकर्ता प्रियंका सिन्हा ने कहा कि अनुग्रह नारायण मेमोरियल कॉलेज प्रशाशन की गलती के कारण छात्राओं को काफी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। ऐसी घटना में संलिप्त पदाधिकारी की जांच कर कार्रवाई करनी चाहिए जो छात्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। परिषद छात्राओं के सम्मान व भविष्य के साथ पूरी ज़िम्मेदारी से उनके साथ खड़ी हैं।

सभी तेल विपणन कम्पनियों के विक्रय पदाधिकारी एवं जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी

संवाददाता

सावन कुमार भा०प्र०से०, जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा जिले में रसोई गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता के संबंध में सभी तेल विपणन कम्पनियों के विक्रय पदाधिकारी एवं जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षा के क्रम में नोडल सेल्स ऑफिसर द्वारा बताया गया कि जिले में पेट्रोलियम पदार्थों एवं छढऋ के उपलब्धता की कोई समस्या नहीं है और खपत के विरूद्ध लगातार आपूर्ति जारी है। नोडल पदाधिकारी LPG द्वारा रसोई गैस की जिला में उपलब्धता के संबंध में बताया गया कि सुपौल जिले के कुल 51 गैस एजेंसियों के पास लगभग 13405 गैस सिलेंडरों का भंडार मौजूद है, और 4055 LPG सिलेंडरों के आज प्राप्त होने की संभावना है। कल दिनांक 11.05.2026 को लगभग 6771 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की गई है। अभी तक 23368 उपभोक्ता को बुकिंग की गैस आपूर्ति की जानी है। जिले में प्रतिदिन औसतन 5532 ग्राहकों के मध्य घरेलु LPG सिलेंडरों का वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा सभी तेल एवं गैस विपणन कम्पनियों के विक्रय पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अभी शादियों के सीजन में पेट्रोलियम पदार्थों की मांग एवं गैस की मांग में वृद्धि होती है। तदनुरूप पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सूनिश्चित करायेंगे। समीक्षा बैठक में सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि वे पेट्रोल पम्पों, गैस एजेंसियों, गैस एवं तेल का प्रयोग करने वाले संस्थानों / प्रतिष्ठानों पर सत्त निगरानी बनाये रखेंगे। सुपौल जिले के अन्तरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्रों में अवस्थित गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पम्पों पर सघन निगरानी बनाई रखी जाय। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पदाधिकारियों को आवश्यकता का आकलन करते हुए कोकिंग कोयला के आवंटन की मांग करने हेतु पूर्व में जिला पदाधिकारी, सुपौल द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में आवंटन की उपादेयता के अनुसार आवंटन की मांग सुनिश्चित करें। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से प्राप्त

निदेश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा वैवाहिक कार्यों में उपयोग करने हेतु वाणिज्यिक LPG की आपूर्ति गैस कम्पनियों के माध्यम से सुनिश्चित करवाया जा रहा है।

अब वैवाहिक कार्यक्रम के साथ-साथ श्राद्ध (मृत्युभोज), मुंडन, उपनयन (संस्कार), अन्य धार्मिक/सामाजिक कार्यक्रम इत्यादि कार्य हेतु भी वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की संबंधित गैस कम्पनियों द्वारा आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए संबंधित रसोईयों/ कैटरर्स को वाणिज्यिक गैस के लिए तेल कम्पनीयों के पास निबंधन कराना होगा, जिनका निबंधन संबंधित तेल कम्पनीयों द्वारा 5-7 दिनों के भीतर करना होगा। जिन व्यक्ति विशेष के घर में कार्यक्रम है, उन्हें अपने संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को, इस बात का स्पष्ट उल्लेख करते हुये कि उन्हें कितने वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आवश्यकता है, और उसमें कितने लोगों के शामिल होने की संभावना है, को आवेदन कर रहे हैं और अनुमंडल पदाधिकारी आकलन करके संबंधित व्यक्ति विशेष के लिए रसोईया / कैटरर्स को तेल कम्पनी के माध्यम से गैस उपलब्ध कराया जा रहा है। पाँच किलो का सिलेण्डर आसानी से और बिना पते के प्रमाण के छात्रों, युवा पेशेवरों और प्रवासी श्रमिकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। जिले के 51 गैस एजेंसियों में से 48 गैस एजेंसियों पर अभी छढऋगैस सिलेंडर उपलब्ध है, शेष 03 पर शीघ्र ही गैस की आपूर्ति किये जाने की संभावना है। आज अभी तक कुल 51 LPG एजेन्सी में से 11 की जाँच की गई है। 14 अन्य होटलों / प्रतिष्ठानों पर LPG गैस सिलेण्डरों के प्रयोग की जाँच हेतु छापेमारी की गई है। जिले में छढऋकी उपलब्धता में लगातार सुधार हो रहा है। गैस कम्पनियों द्वारा अस्पताल एवं सरकारी संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन LPG गैस सिलेंडरों की ससमय उपलब्धता हेतु गैस वितरक कम्पनियों से लगातार संपर्क में है।

उपभोक्तागण अपनी समस्या के समाधान हेतु गैस कंपनी के Common Emergency Helpline Toll Free Number (24X7)-1906, IOCL के Toll Free Number-1800-2333-555, BPCL के Toll Free Number-1800-22 4344 एवं HPCL के Toll Free Number-1800-2333-555 पर सम्पर्क कर सकते हैं। पेट्रोल पम्पों का औचक निरीक्षण हो रहा है। 1 पेट्रोल पम्पों की जाँच की गई है।

तेल कम्पनियों से समन्वय स्थापित करके लगातार पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। समाहरणालय परिसर स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय, सुपौल में घरेलु LPG गैस सिलेंडरों के उठाव-वितरण के निगरानी के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष संख्या 06473-224005 है। आज दिनांक 12.05. 2026 को जिला नियंत्रण कक्ष में कोई शिकायतें / जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। अभी तक घरेलु गैस के वाणिज्यिक प्रयोग/ कालाबाजारी के आरोप में जिला अन्तर्गत तीन प्राथमिकी दर्ज की जा चूकी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर छात्रों की दमदार दलीलें, राजहंस पब्लिक स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

संवाददाता

रामनगर: नगर के राजहंस पब्लिक स्कूल में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) जैसे आधुनिक विषय पर अपने विचारों की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर सभी को प्रभावित किया। कार्यक्रम विद्यालय की निदेशिका सुनीता सिंह की देखरेख में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. प्रतियोगिता का विषय ''ए.आई. : वरदान या अभिशाप'' रखा गया था। विद्यार्थियों ने अपने तर्कों के माध्यम से एआई के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को सामने रखा। कई प्रतिभागियों ने इसे शिक्षा, चिकित्सा और तकनीकी विकास के लिए उपयोगी बताया, वहीं कुछ विद्यार्थियों ने इसके बढ़ते प्रभाव से रोजगार और मानवीय सोच पर पड़ने वाले असर को चिंता का विषय बताया। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में शिक्षक वसंत सर, समीउद्दीन सर एवं तौफीक सर शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, तर्क क्षमता और प्रस्तुति शैली का मूल्यांकन किया. प्रतियोगिता में अल्का यादव ने प्रथम, अदिति कुमारी ने द्वितीय तथा अविका सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंत में विजेता एवं अन्य प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सुनीता सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच और मंच पर बोलने का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

मच्छरगांवा बाजार यज्ञशाला परिसर में सामूहिक विवाह संपन्न, खुशी के माहौल में हुई विदाई

एक दूजे के बंधन मे बंध गये 14 जोड़े वर वधू को यथोचित उपहार भी मिला

संवाददाता

बेतिया : योगापट्टी प्रखंड के मच्छरगांवा नगर पंचायत के मच्छरगांवा गांव स्थित यज्ञशाला परिसर में मंगलवार की रात्री 14 गरीब कन्याओं का सामूहिक विवाह सामरोह धूमधाम से संपन्न हुआ। विवाह कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा बारातियों और ग्रामीणों के लिए भोजन व बैठने की विशेष व्यवस्था की गई थी।

समारोह में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सभी वर-वधुओं ने सात फेरे लेकर नए जीवन की शुरूआत की। आयोजन समिति के अध्यक्ष सह पूर्व मुखिया जयप्रकाश प्रसाद ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी सम्मानपूर्वक कराने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं उन्होंने बताया कि राधा कृष्ण विवाह समिति के द्वारा 2010 से लेकर अब तक 251 निर्धन कन्याओं का शादी हो चुका है। समिति की ओर से वर वधू को यथोचित उपहार, पलंग, कुर्सी टेबुल बिछावन, आभूषण आदि दिया गया।

विवाह बंधन में बंधने वालों में दिव्या कुमारीझदुर्गेश पासवान, रेनू कुमारी-रामबाबू कुमार, पूजा कुमारीझरवि कुमार, पूजा कुमारी-साहेब कुमार, रंजू कुमारी-मथुरा कुमार राम, लक्ष्मी कुमारीझकन्हैया कुमार, दीपावली कुमारी-नीतेश कुमार, काजल कुमारीझप्रेम कुमार, मूर्ति कुमारी-अविनाश शर्मा, मिन्की कुमारी-राजन कुमार नट, प्रीति कुमारी-आलोक कुमार, निशु कुमारी-जोखू मुखिया, मनी कुमारी-उपेंद्र पासवान तथा पूनम कुमारी-मंटू कुमार शामिल हैं।

विवाह समारोह के दौरान वर-वधुओं को घरेलू उपयोग की सामग्री और आशीर्वाद भी दिया गया। पूरी रात मंदिर परिसर में खुशी और उत्सव का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में सहयोग और भाई चारे की भावना को मजबूत करते हैं। बुधवार सुबह सभी नवविवाहित जोड़ों की खुशी-खुशी विदाई कराई गई। मौके पर, सचिव संदीप जयसवाल कोषाध्यक्ष बिक्रामा प्रसाद, सदस्य जयप्रकाश सिंह, निरज जायसवाल उर्फ लालसाहेब, संतोष कुमार माली, अमित कुमार, रंजीत सोनी, विकास कुमार, सुनील डाक्टर, आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे`

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब एवं बियर के साथ धंधेबाज गिरफ्तार

संवाददाता

रजौली। उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा रजौली थाना क्षेत्र के सवैयाटांड़ पंचायत के बसरौन गांव में एक घर के पीछे से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब एवं बीयर बरामद किया गया है। इसके साथ ही एक शराब धंधेबाज को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि बसरौन गांव निवासी कारू तुरिया अंग्रेजी शराब की बिक्री करने के लिए घर के पीछे रखे हुए था। गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक न्यूटन के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

इस छापेमारी में कारू तुरिया के घर के पीछे से 148 बोतल अंग्रेजी शराब एवं 72 केन बीयर बरामद किया गया। अंग्रेजी शराब और बीयर की कुल मात्रा 93 लीटर बताई जा रही है। उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा शराब धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार शराब धंधेबाज की पहचान बसरौन गांव निवासी टोकन तुरिया के बेटे कारू तुरिया के रूप में की गई है।

उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि कारू तुरिया एक आदतन उत्पाद अपराधी है। जिसके विरुद्ध पूर्व में भी 23 फरवरी 2026 को उत्पाद थाना कांड संख्या 203/26 दर्ज है। जिसमें एक बाइक से 27 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया था और कारू तुरिया इस मामले में फरार हो गया था। गिरफ्तार शराब धंधेबाज पर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद बुधवार को अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में स्वास्थ्य जांच कराने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मौके पर उत्पाद विभाग के सहायक अवर निरीक्षक सुमन भारती, सिपाही मो इरफान अंसारी, गृह रक्षक सागर कुमार उपस्थित थे।

काजी रसलपुर में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

मुखिया ने किया उद्घाटन, ब्लड शुगर-हीमोग्लोबिन जांच की सुविधा तत्काल शुरू

संवाददाता

भगवानपुर /बेगूसराय: काजी रसलपुर पंचायत अंतर्गत सामुदायिक भवन में बुधवार को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुलारपुर मठ का भव्य शुभारंभ किया गया। पंचायत के मुखिया प्रणव भारती ने अपने कर-कमलों से फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुखिया प्रणव भारती ने कहा, "इस अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से काजी रसलपुर समेत आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को प्राथमिक इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को अब गांव में ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।"

मौके पर मौजूद प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक आशुतोष गांधी ने जानकारी दी कि केंद्र में तत्काल प्रभाव से ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन और हाइपरटेंशन की जांच की सुविधा बहाल कर दी गई है। अन्य जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं भी चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी। स्वास्थ्य केंद्र खुलने से ग्रामीणों में खुशी की लहर है। स्थानीय लोगों ने इसे बड़ी सौगात बताते हुए स्वास्थ्य विभाग और पंचायत का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि अब छोटे-मोटे इलाज के लिए बेगूसराय या भगवानपुर नहीं भागना पड़ेगा। मुखिया प्रणव भारती ने बताया कि फिलहाल केंद्र सामुदायिक भवन में संचालित होगा। आने वाले समय में अस्पताल के अपने भवन के लिए जल्द ही भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी, ताकि स्थायी और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उद्घाटन समारोह में स्वास्थ्य विभाग के कर्मी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जन-जन तक पहुंचे जनगणना का संदेश : तेघड़ा में प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: तेघड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित अटल कलाम भवन में भारत की जनगणना-2027 के सफल, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित संचालन को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह चार्ज जनगणना अधिकारी, तेघड़ा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक एवं जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड प्रमुख, विभिन्न पंचायतों के मुखिया, सरपंच, जनप्रतिनिधि, तेघड़ा ग्रामीण चार्ज अंतर्गत सभी पर्यवेक्षक एवं संबंधित कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनगणना कार्य की वर्तमान प्रगति, HLO App के माध्यम से ऑनलाइन डेटा संकलन, सेंसस हाउस नंबर अंकन, फील्ड स्तर पर हो रहे कार्यों एवं HLB-wise प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।बैठक की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि सभी जनप्रतिनिधियों ने जनगणना-2027 के सफल संचालन हेतु प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वे अपने-अपने पंचायत एवं वार्ड क्षेत्रों में लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाएंगे तथा लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में जानकारी देंगे, ताकि कोई भी परिवार या व्यक्ति जनगणना से वंचित न रहे। जनप्रतिनिधियों ने यह भी आश्वासन दिया कि उनके माध्यम से गांव-गांव एवं घर-घर तक यह संदेश पहुंचाया

जाएगा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं की आधारशिला है। उनके सक्रिय सहयोग से तेघड़ा ग्रामीण चार्ज अंतर्गत जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग एवं सकारात्मक वातावरण बना रहेगा।

प्रखंड विकास पदाधिकारी, तेघड़ा ने कहा कि जनप्रतिनिधि प्रशासन एवं जनता के बीच सबसे मजबूत कड़ी हैं। यदि जनप्रतिनिधियों का सहयोग मिलता है, तो जनगणना कार्य और अधिक प्रभावी, सटीक एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे आम लोगों को सही जानकारी देने, अफवाहों को रोकने एवं जनगणना कार्य में सहयोग हेतु प्रेरित करें।

बैठक में विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा क्षेत्रीय अनुभवों के आधार पर कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। कई स्थानों से सुझाव प्राप्त हुआ कि पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान, माइकिंग एवं जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि जनगणना कार्य में लोगों की सहभागिता और बढ़ सके।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संबंधित पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में त्रुटिरहित जनगणना कार्य सुनिश्चित करें तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों को बेहतर करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, राशन, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य सरकारी योजनाओं की रूपरेखा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही तय की जाती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की सही गणना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के अंत में सभीजनप्रतिनिधियों, पर्यवेक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर जनगणनाझ2027 को सफल बनाने का संकल्प लिया।

जनगणना करने गंगा पार पहुंची पूरी प्रशासनिक टीम, तेघड़ा प्रशासन ने पेश की जनसेवा की अनूठी मिसाल

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: तेघड़ा प्रखंड प्रशासन ने जनगणना कार्य को लेकर ऐसी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है, जो आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। दियारा क्षेत्र में स्थित अत्यंत दुर्गम राजस्व ग्राम मधुरापुर चौथैया, जहां वर्तमान में मात्र एक परिवार निवास करता है, वहां भी जनगणना कार्य सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रशासनिक टीम गंगा नदी पार कर पहुंची।

यह गांव भौगोलिक दृष्टि से बेहद कठिन क्षेत्र में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए किसी प्रकार की नियमित यातायात सुविधा उपलब्ध नहीं है। प्रशासनिक टीम को नाव के सहारे गंगा नदी पार करनी पड़ी तथा उसके बाद भी ट्रैक्टर के माध्यम से कच्चे एवं कठिन रास्तों से गांव तक पहुंचना पड़ा। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व में प्रतिनियुक्त कुछ प्रगणकों द्वारा वहां कार्य करने में असमर्थता जताई गई थी। लेकिन तेघड़ा के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने इसे केवल एक औपचारिक सरकारी कार्य नहीं माना, बल्कि जनगणना के महत्व को समझते हुए स्वयं टीम के साथ क्षेत्र में पहुंचने का निर्णय लिया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने नए प्रगणकों की नियुक्ति की तथा स्वयं पर्यवेक्षकों और प्रगणकों के साथ मधुरापुर चौथैया दियारा पहुंचे। परिवार की गणना के लिए प्रशासनिक टीम का इस प्रकार दुर्गम क्षेत्र में पहुंचना लोगों के बीच चर्चा और सराहना का विषय बना हुआ है। प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। सरकार की योजनाएं, संसाधनों का वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, आवास एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी नीतियां जनगणना के आंकड़ों पर आधारित होती हैं। इसलिए प्रशासन का स्पष्ट संकल्प है कि ''एक भी घर, एक भी परिवार और एक भी व्यक्ति जनगणना से नहीं छूटे।''

उन्होंने कहा कि चाहे किसी गांव में एक परिवार हो या सैकड़ों परिवार, प्रशासन की नजर में हर नागरिक समान रूप से महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद टीम वहां पहुंची और जनगणना कार्य संपन्न कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

राजेंद्र किशोरी रेसिडेंशियल स्कूल के बच्चों ने सी.बी.एस.ई 12वीं की परीक्षा में शत प्रतिशत सफलता हासिल कर विद्यालय का मान बढ़ाया

संवाददाता

राजेंद्र किशोरी रेसिडेंशियल स्कूल में बच्चे का अकररउए में शत प्रतिशत प्रदर्शन। भगवानपुर प्रखंड के मघरी स्थित राजेंद्र किशोरी रेसिडेंशियल स्कूल के बच्चों ने सी.बी.एस.ई 12वीं की परीक्षा में शत प्रतिशत सफलता हासिल कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। डायरेक्टर (एकेडेमिक) अमरावती सिंह ने बताया की बोर्ड की परीक्षा में विद्यालय का रिजल्ट विज्ञानं, वाणिज्य एवं कला संकाय में शत प्रतिशत रहा है। परीक्षा में शामिल सभी 26 बच्चे अच्छे अंक प्राप्त करने में सफल रहे हैं। विषय वार अंकों की सूची निम्नलिखित है –

English = 94% Physics = 67% Chemistry = 94% Maths = 69% Biology = 87% Music = 99% Economics = 64%

विद्यालय के प्रचार्य विनोद कुमार ने बताया कि प्राची कुमारी ने विद्यालय में 84% अंक प्राप्त कर सर्वोतम स्थान प्राप्त किया।

वहीं द्वितीय स्थान पर अक्षत आदर्श ने 82% तथा तृतीय स्थान पर शौर्य कुमार ने 73% अंक प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में श्रेया कुमारी 68% अंक प्राप्त कर सर्वोतम स्थान पर रही।

गुरुवार को 29 हजार से अधिक एलपीजी गैस सिलेंडर होगा वितरण, जिले में गैस का पर्याप्त भंडार : जिला आपूर्ति पदाधिकारी

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला में एलपीजी गैस की उपलब्धता का वितरण व्यवस्थित एवं सुचारु ढंग से जारी ।बुकिंग के अनुरूप 75 गैस एजेंसियों के द्वारा तेजी से गैस आपूर्ति पूर्ति की जा रही है। जिला प्रशासन, दरभंगा द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि एलपीजी गैस बुकिंग प्राप्त होने के बाद संबंधित एजेंसी होम डिलीवरी के माध्यम से निर्धारित दर पर गैस सिलेंडर उनके घरों तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। अपनी बारी का इंतजार कीजिए अफवाहों पर ध्यान नहीं दीजिए। नियमानुसार सभी ग्राहकों को ससमय गैस सिलेंडर उपलब्ध कराई जाएगी। जिला में 75 गैस एजेंसी के माध्यम से आज 11 हजार 05 एल.पी.जी गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं के बीच वितरण किया गया, इसमें दरभंगा सदर अनुमण्डल में 8308, बेनीपुर अनुमण्डल में 1327 एवं बिरौल अनुमण्डल में 1370 शामिल है। डी.एस.ओ सुरेश कुमार ने कहा इस प्रकार जिले में 13 मई को 12 हजार 849 एल.पी.जी गैस सिलेंडर एजेंसियों के पास गोदामों में शेष है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया 14 मई को दरभंगा सदर अनुमण्डल में 22 हजार 324, बेनीपुर अनुमण्डल में 1943 एवं बिरौल अनुमण्डल में 5108 एल.पी.जी गैस सिलेंडर वितरण का लक्ष्य है। उप निदेशक जन-सम्पर्क श्री सत्येन्द्र प्रसाद ने कहा जिला में पेट्रोलियम पदार्थ और एलपीजी गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। गैस आपूर्ति व्यवस्था सुचारू ढंग से चल रहा है। समय पर एलपीजी सिलेंडर डिलीवरी के उपरांत बुकिंग शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन विभाग द्वारा निर्धारित है। बुकिंग के उपरांत 02 से 03 दिनों में होम डिलीवरी के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाई जा रही है। कैटरिंग के माध्यम से शादी विवाह या अन्य कार्यों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति जारी है। वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिलाधिकारी, कौशल कुमार का स्पष्ट निर्देश है सभी गैस एजेंसियों निर्धारित मानकों के अनुसार पारदर्शी एवं समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करें अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी समस्या या प्रश्न शिकायत की स्थिति में जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम अथवा संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष संख्या नम्बर – 06272-245055 है। नियंत्रण कक्ष में प्राप्त हुए शिकायत में से अधिकांश शिकायतों का समाधान कर दिया गया है। जिलाधिकारी का स्पष्ट निर्देश है किसी उपभोक्ता को विभागीय नियमानुसार गैस उपलब्ध नहीं करने पर पर संबंधित एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन उपभोक्ताओं को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित है। जिला प्रशासन, दरभंगा उपभोक्ताओं से अपील करता है एलपीजी गैस से संबंधित शिकायत जिला नियंत्रण कक्ष पर कर सकते हैं, जिसको तत्काल निष्पादन किया जाता है। मुनाफाखोरी या जमाखोरी करने वालों पर जिला प्रशासन की पैनी नजर है। शादी विवाह आदि समारोह के अवसर पर नियमानुसार उपभोक्ताओं को कमर्शियल गैस का पांच सिलेंडर विभागीय निदेर्शानुसार दिया जा रहा है।

हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जमुई स्टेशन पर ठहराव

संवाददाता

पटना: यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर दानापुर मंडल के जमुई स्टेशन पर गाड़ी सं. 22347/ 22348 हावड़ा-पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का दिनांक 15.05.2026 से प्रायौगिक तौर पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ।

दिनांक 15.05.2026 से गाड़ी सं. 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस 20.05 बजे जमुई स्टेशन पहुंचेगी और 20.07 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । इसी तरह 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस 09.49 बजे जमुई स्टेशन पहुंचेगी और 09.51 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

संयुक्त रसोईया मोर्चा के आवाहन पर आगामी 1 जुन को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर एमडीएम रसोईया का जोड़दार धरना प्रदर्शन

संवाददाता

दरभंगा। संयुक्त रसोईया मोर्चा के आवाहन पर आगामी 1 जुन को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर एमडीएम रसोईया का जोड़दार धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय एमडीएम रसोईया एकता संघ के अध्यक्ष, आर के दत्ता ने बताया की सभी सरकारी स्कलो /मदरसो मे कार्यरत मध्याह्न भोजन रसोईया और सहायिका की सेवा को स्थाई करने, कम से कम 18 हजार रुपये मानदेय का प्रतिमाह भुगतान करने, दस महीने के बदले पूरे बारह महीने का मानदेय का भुगतान करने सहित विभिन्न मांगों के समर्थन मे अगले महिने 1 जून सोमवार को सुबह 10 बजे दिन से जंतर मंतर नई दिल्ली पर देश के प्रधानमंत्री के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन रसोईया के द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने अपील करते हुए कहा की इस आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में मै समस्त एमडीएम रसोईया से शामिल होने का आग्रह करता हूँ और इसमें भाग लेकर आप अपने हक अधिकार के लिए आवाज बुलंद करे, यह आप सभी रसोईया का अधिकार है। इसके लिए आगामी 30 मई को ही दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, सीतामढ़ी एवं बिहार के अन्य जगहों के रेलवे स्टेशनो से गाडी पकडकर 31 मई की शाम तक दिल्ली पहुंच जाने की कृपा करेगे। विशेष जानकारी के लिए हम से हमारे नम्बर पर सम्पर्क कर सकते है।

बेगुसराय में हवाई उड़ान शुरू करने हेतु प्रधान मंत्री जी भारत सरकार को लिखा गया पत्र

संवाददाता

बेगुसराय: समाजसेवी दिलीप सिन्हा ने बेगुसराय से हवाई उड़ान शुरू करने हेतु प्रधानमंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि बेगुसराय में सिविल एयरपोर्ट की शुरूआत के श्रेष्ठ हितों में निम्नलिखित तथ्यपूर्ण बातों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के लिए अनुरोध करता हूं :- दरभंगा एयरपोर्ट से मधुबनी की दूरी लगभग 35 किलोमीटर होने के बावजूद मधुबनीमें एयरपोर्ट की शुरूआत प्रक्रियाधीन है।पटना एयरपोर्ट से बेगुसराय की दूरी लगभग 125 किलोमीटर होने के बावजूद बेगुसराय में एयरपोर्ट की शुरूआत की चर्चा तक नहीं है।एयरपोर्ट की शुरूआत से बेगुसराय में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससेरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी। बेगुसराय में एयरपोर्ट की सुविधा से पर्यटकों को बेगुसराय आने में आसानी होगी, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यवसायों को फायदा होगा।बेगुसराय में एयरपोर्ट की शुरूआत से व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने मेंआसानी होगी।बेगुसराय में एयरपोर्ट की सुविधा से यात्रियों को पटना या देश-विदेश के अन्य शहरों की यात्रा

करने में आसानी होगी, जिससे समय और धन की बचत होगी। बेगुसराय में एयरपोर्ट शुरू हो जाने से रोजगार के विभिन्न प्रकार के रोजगारों के अवसर पैदा होंगे और बेगुसराय के इर्द-गिर्द के इलाके में बुनियादी ढांचे का विकास होगा, जैसे कि सड़कें, बिजली, और पानी की आपूर्ति, जिससे स्थानीय समुदाय को फायदा होगा।बेगुसराय एयरपोर्ट की शुरूआत से बेगुसराय की प्रतिष्ठा और पहचान बढ़ेगी, जिससेयह शहर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप मेंउभरेगा। बेगुसराय में इंडस्ट्रीज यूनिट्स की भरमार है। बेगुसराय बिहार का एक प्रमुख औद्योगिक शहर है, जिसमें कई बड़े और छोटे उद्योग हैं।बेगुसराय में इंडियन ऑयल का बरौनी ऑयल रिफाइनरी की राष्ट्रीय पहचान है। इसकामुख्य उत्पाद डीजल है, और यह पेट्रोल, केरोसिन और नेफ्था जैसे उत्पादों का भीउत्पादन करती है।बरौनी थर्मल पावर प्लांट कोयला आधारित बिजली संयंत्र है, जिसकी बिजली उत्पादनक्षमता 500 मेगावाट है और इसका स्वामित्व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी NTPC केपास है।बरौनी उर्वरक इकाई यूरिया का उत्पादन करती है, जिसे "मोती" के नाम से ब्रांड किया जाता है। वर्तमान में, यह इकाई पूरी क्षमता से काम कर रही है और किसानों को उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। वरुण बेवरेजेज लिमिटेड एक निजी क्षेत्र की कंपनी है, जो बेगुसराय में स्थापित है और पेय पदार्थों का उत्पादन करती है।रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बेगुसराय में 1000 करोड़ रुपये निवेश करने का फैसला किया है, जिसमें कैंपा ब्रांड के लिए बॉटलिंग संयंत्र खोला जाएगा।

अडानी समूह ने बिहार में 8, 700 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया है, जिससे राज्य में नौकरियों की भरमार होगी।गंगा डेयरी और आईटीसी ये कंपनियाँ किसानों को उनके दूध की बेहतर कीमत उपलब्ध करा रही हैं और बेगुसराय की अर्थव्यवस्था में योगदान कर रही हैं। बरौनी सुधा डेयरी यह भारत के पूर्वी हिस्से का सबसे बड़ा दुग्ध संघ है, जो बेगुसराय और आसपास के क्षेत्र के किसानों को एक स्थायी कृषि और दुग्ध उत्पादनके अवसर प्रदान करता है। इन उद्योगों के अलावा, बेगुसराय में कई अन्य छोटे और मध्यम आकार के उद्योग भीहैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। बेगुसराय में उपरोक्त वर्णित इंडस्ट्रीयल यूनिट्स की तुलना में मधुबनी में इंडस्ट्रीज लगभग नगण्य है। बेगुसराय की भौगोलिक स्थिति भी लाजवाब है औरकाबिले तारीफ है बेगुसराय में एयरपोर्ट हो जाने से बेगुसराय के 100 किलोमीटर त्रिज्या अंतर्गत आनेवाली करोड़ों आबादी के लिए बेगुसराय एयरपोर्ट मूल्यवान एवं लाइफलाइन साबित होगा।"

संत जूडस विद्यालय के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में लहराया परचमय

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा 12वीं 2026 के परिणाम में संत जूडस विद्यालय, फुलवारिया बरौनी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न संकायों में शानदार अंक प्राप्त कर सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के छात्र उत्सव कुमार ने 94.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। वहीं प्रिंस कुमार ने 93.6% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अभय कुमार ने 92.6% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के कुल 56 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक, 30 विद्यार्थियों ने 80-90% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता अर्जित की है। इनमें प्रमुख रूप से ज्योति कुमारी – 88.2%, समीर रॉय – 86.6%, ओनिक राज (86.8%), तेजस्व ज्ञान -86.2%, मीनाक्षी - 85.8%, आयुष कुमार -84.4%, प्रियम श्री -83.4% कृष्ण कुमार - 83.4%, भव्या वर्मा – 83 % सहित अनेक विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। विद्यालय के चेयरमैन श्री शंकर कुमार, निदेशक श्री ओम नारायण एवं प्राचार्य श्री संतोष कुमार पांडे ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विश्वविद्यालय की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण-कार्य रोकने, दोषियों पर कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी को भेजा गया पत्र

विश्वविद्यालय द्वारा होमगार्ड को किराए पर दी गई भूमि पर डीएम के नाम का हवाला देकर किया जा रहा है निर्माण-कार्य

संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कादिराबाद स्थित होमगार्ड परिसर जो 18 हजार रुपए वार्षिक किराए पर होमगार्ड को विश्वविद्यालय द्वारा पहले दिया गया है, जिसका किराया 31 मार्च, 2026 तक भुगतान किया जा चुका है। इस परिसर में बिना अनुमति के नियम विरुद्ध निर्माण-कार्य किया जा रहा है, जबकी यह परिसर पूर्णतः विश्वविद्यालय के स्वामित्व है। ज्ञातव्य है कि उक्त भूमि विश्वविद्यालय में संचालित स्ववित्त पोषित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान हेतु महिला छात्रावास बनना प्रस्तावित है।साथ ही इस परिसर में इनडोर स्टेडियम एवं आउटडोर स्टेडियम के निर्माण का भी प्रस्ताव है। यह संस्थान मिथिला क्षेत्र का एकमात्र महिला तकनीकी संस्थान है, जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किया गया था। उक्त इन परियोजनाओं के निर्माण की इच्छा स्वयं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा व्यक्त की गई है। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यमंत्री को गत 6 मई, 2025 को पत्र भी प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा दरभंगा के जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में आवश्यक पेपर्स, जमीन के खाता-खेसरा से संबंधित दस्तावेज, किराया भुगतान रसीद आदि सहित 17 पृष्ठों संलग्न है, जिसकी प्रतिलिपि राज्यपाल सचिवालय, पटना के प्रधान सचिव, दरभंगा के आयुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक, भूमि सुधार अपर समाहर्ता तथा अनुमंडल अधिकारी, दरभंगा आदि को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ भेजी गई है।

चेन छीनतई और हत्या से आम आदमी से लेकर पार्षद, जनप्रतिनिधि तक में जिले में बढ़ते अपराध और व्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश

संवाददाता

दरभंगा। बुधबार की अहले सुबह हसन चौक के नजदीक चेंज चिंता की घटना और रोकने वाले पर गोली चलाकर हत्या की घटना को अपराधियों के द्वारा को लेकर जदयू नेता एवं प्रमंडलीय पार्षद महासंघ के अध्यक्ष सह वार्ड 13 के पार्षद, राजीव कुमार सिंह ने कहा इन दिनों लगातार दरभंगा शहर में डर का माहौल बनी हुई है। आए दिन घटना होती है और घटना की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है वह चाहे किसी वार्ड का मामला हो इसके लिए सभी पार्षदों से आग्रह है की हसन चौक पर आने का कष्ट करें चुकी हसन चौक से आगे आज सुबह चेन लूट करते हुए एक व्यक्ति ने लुटेरों को पकड़ने का प्रयास किया जिसके कारण अपराधी द्वारा उन्हें गोली मारकर हत्याकर दी गई। उन्होंने कहा इंसानियत से बढ़कर कुछ भी नहीं है। बढ़ती हुई घटना को रोकने के लिए हमें आगे आना होगा एक होना होगा। समाज को आगे जाकर विचार और सोचकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है प्रशासन को संज्ञान में देने के लिए उनको जगाने के लिए हम सभी को आगे आना होगा। इधर महानगर युवा राजद दरभंगा जिलाध्यक्ष, राकेश नायक ने कहा भाजपा के सम्राट सरकार में सूबे से लेकर हर शहर गांव टोलों तक गोलियों की गूंज सुनाई देने लगी हैं। सफेद प्रमाण यही हैं के फिर से हथियारबंद बेखौफ अपराधियों ने दरभंगा शहर के बीचोबीच हसन चौक दुर्गा मंदिर स्थित एक सज्जन व्यवहार के व्यक्ति सह चाय दुकानदार श्रवण कुमार राम की हत्या गोली मारकर कर दी गई। घटना मॉर्निंग वाक के क्रम में हुई जब

हथियारबंद अपराधियों ने एक व्यक्ति से सोना चैन लूटने का प्रयास किया इसी क्रम में श्रवण कुमार राम ने बचाने और अपराधीयों को पकड़ने का प्रयास किया जिसके बदले उन्हें अपनी जान गवानी पड़ी। दिनदहाड़े चेन की छिंतई में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या से दरभंगा सहित सूबे से लेकर दरभंगा शहर में एक बड़ी घटना से लोगों को राहत नहीं मिलती हैं दूसरी बड़ी अपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी फरार हो जाते हैं। सत्ता संरक्षित अपराधियों का मनोबल आसमा छू रहा हैं जिनपर पुलिसिया नियंत्रण भी विफल साबित हो रही हैं। बिहार में तथाकथित मंगलराज की हकीकत एक बार फिर दरभंगा शहर में देखने को मिली। शहर के राजकिला रामबाग के पास दिनदहाड़े चैन लूट की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। जब एक व्यक्ति बचाने के लिए आगे बढ़ा, तो अपराधियों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया। वही दरभंगा जिला कांग्रेस कमिटी (अर्बन) के जिलाध्यक्ष डॉ. जमाल हसन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्थानीय लोगों और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा आक्रोशित लोगों के साथ मिलकर हसन चौक मुख्य सड़क को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक जामकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा हम लोगो ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग किया। श्री हसन ने कहा बिहार में लगातार बढ़ती हत्या, लूट और गोलीबारी की घटनाएँ यह साबित करती हैं राज्य की कानून व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। अपराधियों के मन से प्रशासन, कानून का भय समाप्त हो गया है, जिसके कारण आम जनता भय, असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। सरकार सिर्फ बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। अपराधियों पर जल्द कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर और बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस सड़क जाम में उनके साथ वार्ड 13 पार्षद राजीव कुमार, पार्षद राकेश पासवान, राजद नेता राकेश नायक, भोलू यादव, समीर अल्फाज, एहसान सिद्दीकी, प्रिंस परवेज, खुसरुल हसन, मो अफसर, आदिल हसन, मुकेश कुमार सहित सैंकड़ों स्थानीय लोग मौजूद थे।

सी.बी.एस.ई. 12वीं बोर्ड परीक्षा में डीपीएस गया के छात्रों की शानदार सफलता, संस्कृति ने लाया 97.2 प्रतिशत अंक

Tanishka Bhadani
96.2 %

Lavanya Jain
96 %

Sanskriti
97.2%
Commerce

Ishita Sinha
96.8%
Humanities

Braham Praksh Kumar
96.0%
Science

संवाददाता

गयाजी: इस वर्ष आयोजित ऑल इंडिया सी.बी.एस.ई. 12वीं बोर्ड परीक्षा में दिल्ली पब्लिक स्कूल, गयां के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को फिर से गौरवान्वित किया है।

विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं अनुशासन का परिचय दिया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। वाणिज्य संकाय से संस्कृति ने 97.2 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में टॉप किया है।

विद्यालय के कक्षा 12वीं की परीक्षा में कुल विद्यार्थियों में 99.3 प्रतिशत विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर विद्यालय का नाम रोशन किया है जो गया जिला एवं बिहार के लिए गौरव की बात है। 9 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक तथा 37 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। 9 विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत अंक अलग-अलग विषयों में प्राप्त किए। 11 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 99 अंक प्राप्त किए हैं। कला संकाय से इशिता सिन्हा ने 96.8 प्रतिशत तथा विज्ञान संकाय से ब्रह्म प्रकाश कुमार ने 96 प्रतिशत अंक लाकर टॉप किया है।

विद्यालय के प्राचार्य श्री सत्येन्द्र मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता केवल अंकों की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास की जीत है। विद्यालय के निदेशक श्री संजीव कुमार ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके इस उपलब्धि के लिए किए गए सहयोग एवं प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। विद्यार्थियों की इस सफलता ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि निरंतर परिश्रम, सही मार्गदर्शन एवं सकारात्मक वातावरण से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

जनगणना जागरूकता को लेकर विद्यालय ने निकाली रैली

संवाददाता

गयाजी गुरुआ: राजकीय मध्य विद्यालय गुरुआ के द्वारा बुधवार को नामांकन सह जनगणना जागरूकता अभियान रैली निकाली गई. रैली का नेतृत्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक मिथलेश राम ने किया. कार्यक्रम में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजीत कुमार भी शामिल हुए. रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने स्लोगन और जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को जनगणना के प्रति जागरूक किया.

प्रधानाध्यापक मिथलेश राम ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को सही और पूरी जानकारी देने के लिए प्रेरित करना है, ताकि जनगणना के आंकड़े सटीक और सत्य हो सकें. प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजीत कुमार ने भी लोगों से जनगणना कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग करने तथा प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की. जागरुकता रैली मध्य विद्यालय गुरुआ से बाजार होते हुए भवानी स्थान तक गई, फिर बस स्टैंड से मीरचक होते बडही विगहा तक गई और बाजार होते वापस लौट गई. मौके पर शिक्षिका मंजू कुमारी सिन्हा, वीणा कुमारी, संवेदिता कुमारी, दीपा कुमारी, संध्या कुमारी, शिक्षक सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार सुमन, रमेश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

वार्ड संख्या 15 के सैदा बाजार मुहल्ले नाली व पीसी ढलाई में भ्रष्टाचार का आलम

संवाददाता

हिलसा नालंदा। स्थानीय नगर परिषद में भ्रष्टाचार का आलम फसरा है, नाली निर्माण हो या पीसी ढलाई पदाधिकारी ठेकेदार एवं अन्य सहयोगियों के मेल -जोल के कारण निर्माण नाली एवं पीसी ढलाई भेट चढ़ चुकी है। घटिया सामग्री से नाली निर्माण एवं पीसी ढलाई यह मामला कहीं दूर का नहीं है। यह मामला वांड संख्या 15 एवं नगर परिषद कार्यालय से महज दूरी पर सैदावाजार मोहल्ले से जुड़ी हुई है। अगर बातों पर अकिन नहीं होता है तो नगर परिषद कार्यालय के पदाधिकारी छोड़कर किसी भी पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर तहकीकात कर सकते हैं।

बताया गया है कि नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 15 में योजना संख्या 17/2024 -2025 पांच लाख साठ हजार आठ सौ रुपए की लागत से रत्नेश शर्मा के घर के पास से जितेंद्र पासवान के घर के पास सैदावाजार बाजार मोहल्ले में नाली एवं पीसी ढलाई कराया गया था।, घटिया सामग्री से नाली निर्माण एवं पीसी ढलाई एक वर्ष के बाद ही निर्माण नाली एवं पीसी ढलाई टूटी हुई नजर पड़ रही है। गिट्टी बिखरा पड़ा है। लोगों को आने-जाने में बेहद कठिनाई हो रही है। नाली गड्ढे में तब्दील हो चुकी है?। आम जनता को आने-जाने में बेहद कठिनाई हो रही है प्रतिदिन बाइक गड्ढे में गिरता है। बाइक चालक जख्मी होते हैं। युक्त गली में टोटो भी नाली में गिर रहा है।गौरतलब हो कि नाली निर्माण एवं पीसी ढलाई में भ्रष्टाचार हुई है।

संपादकीय

प्रधानमन्त्री की देश से अपील

प्रधान्मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से मितव्ययिता बरतने की अपील पर राजनीतिक भूचाल जैसा आ गया है क्योंकि विपक्ष इसे सत्तारूढ़ दल भाजपा की चालाकी बता रहा है और कह रहा है कि सरकार ने यह एहसास पांच राज्यों के चुनाव बीत जाने के बाद अपनी सुविधानुसार किया है जबकि आर्थिक मोर्चे पर सावधानी दिखाने का समय विगत मार्च महीने के शुरू से ही प्रारम्भ हो गया था जब ईरान व इजराइल-अमेरिका युद्ध शुरू हुआ था। जाहिर है कि प्रधानमन्त्री ने युद्ध के संकट को देखते हुए ही इस तरह की अपील की है और लोगों से पूरे वर्ष सोने के आभूषण आदि न खरीदने और पैट्रोल व डीजल कम खर्च करने तथा स्वदेशी सामान खरीदने का आ''ान किया है जिससे भारत अधिक से अधिक विदेशी मुद्रा बचा सके। यह कडुवा सत्य है कि भारत प्रतिवर्ष 900 से लेकर एक हजार टन सोने का आयात करता है जिसका मूल्य अरबों डॉलर में जाकर पड़ता है। विश्व स्वर्ण परिषद (वर्ल्ड गोल्ड कौंसिल) के अनुसार भारत विश्व में सर्वाधिक स्वर्ण आयात करने वाले देशों में से एक है जहां सोने की मांग अत्यधिक रहती है। इसके कई कारण हैं जिनका खुलासा यहां किया जाना संभव नहीं है परन्तु इतना कहना ही काफी है कि भारत में सोने को भविष्य की पूंजी गारंटी के रूप में लिया जाता है जिसे सामाजिक व सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ दिया गया है। विपक्ष यह सवाल भी खड़े कर रहा है कि जिस देश की कुल आबादी 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज मुफ्त दिया जा रहा हो उस देश में सोना न खरीदने की अपील किन लोगों से की जा रही है? मगर विपक्ष का यह तर्क रहा है कि देश के दस प्रतिशत लोगों का ही इसकी राष्ट्रीय सम्पत्ति के 90 प्रतिशत हिस्से पर अधिकार है। अतः प्रधानमन्त्री की अपील इसी वर्ग से है। इसमें तो कोई दो राय हो ही नहीं सकती कि भारत में आर्थिक गैर बराबरी की खाई बहुत चौड़ी है। जहां तक पैट्रोल व डीजल का सवाल है तो बढ़ते शहरीकरण व उपभोक्तावाद और टेक्नोलॉजी उन्नयन की वजह से पैट्रोल व डीजल का बढ़ता उपयोग गांव से लेकर शहरों तक की जरूरत बन चुका है। भारत के सुदूर क्षेत्रों तक में अब मोटरसाइकिल ने बाइसिकल की जगह ले ली है। इसे हम बाजार मूलक अर्थव्यवस्था का प्रभाव भी कह सकते हैं मगर यह एक हकीकत है लेकिन यह भी सच है कि यह मोटर क्रान्ति विशुद्ध रूप से पैट्रोल आयात पर ही टिकी हुई है।

भारत अपने वार्षिक बजट के आधे के मूल्य का प्रतिवर्ष कच्चा तेल आयात करता है अतः इस मद में विदेशी मुद्रा का खर्च सर्वाधिक होता है। दूसरी तरफ युद्ध के डर से भारत में विदेशी मुद्रा की आवक में सिलसिलेवार कमी दर्ज हो रही है मगर ऐसा नहीं है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो। अभी भी भारत के पास 688 अरब डॉलर का यह भंडार है परन्तु मितव्ययिता वक्त की मांग है। इसके साथ ही भारत खाने के तेल का भी भारी मात्रा में आयात करता है क्योंकि इसका उत्पादन मांग के अनुरूप हम नहीं कर पाते हैं अतः श्री मोदी ने इसमें भी बचत करने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने बिजली वाहनों का अधिकाधिक प्रयोग करने की सलाह भी दी है और इसे राष्ट्र भक्ति से जोड़ा है क्योंकि यह संभावित संकट का समय है। हम जानते हैं कि ईरान के साथ भारत के सम्बन्ध बहुत ऐतिहासिक व मधुर रहे हैं परन्तु बदलते भू-राजनीतिक कारणों की वजह से इनमें बदलाव आया है। अमेरिका जिस तरह से ईरान पर अपनी दादागिरी चला रहा है उसकी वजह से इस देश की व्यापारिक क्षमताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा है वरना भारत ईरान से अपनी मुद्रा रुपये में ही तेल खरीदा करता था। परन्तु 2019 से हमने इससे तेल खरीदना बन्द कर दिया है।

रूस-यूक्रेन जंग लड़ते-मरते भोले भारतीयों को बचाया जाए

पराई जंग लड़ने का एक इतिहास है, भारतवासियों का। जब फिरंगियों के चंगुल में था भारत तो प्रथम व द्वितीय विश्व युद्धों में हजारों भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसा गांधी जी की सिफारिश पर किया गया था कि शायद अंग्रेजों के दिल में कुछ नरमी आए और भारत की आजादी का मामला आगे चले। उसका प्रहरी और गवाह आज का इंडिया गेट स्मारक है, जिस पर इन बहादुर सैनिकों के नाम लिखे हुए हैं। वास्तव में ये युवा बहुत गरीब और पिछड़े परिवारों से आते हैं और क्योंकि कद, काठी में गठा हुआ और सेहतमंद बदन होता है, थोड़ी सी ट्रेनिंग के पश्चात ही सैनिक बन जाते हैं। कई देश इनको मर्सिनरी सैनिक भी बोलते हैं और किसी भी देश के लिए लड़ सकते हैं, जैसे आजादी से पूर्व भारतीय सैनिक ब्रिटेन के लिए लड़े थे। वास्तव में ये सब एक धोखे के जाल में फंस गए। किसी भी निर्धन व बेरोजगार युवक को यदि विदेश में नौकरी करने की बात से रिझाया जाए तो वह तुरंत तैयार हो जाता है।

पंजाब की आब-ओ-हवा ऐसी होती है कि वहां का युवा वर्ग बदन से शक्तिशाली होता है और विदेशों में पसंद किया जाता है। इसका एक उदाहरण है कि ब्रिटेन में और विशेष रूप से साउथऑल में अंग्रेज महिलाएं इन युवाओं से शादी करती हैं। यही अमेरिका में होता है। पंजाब के बड़े शहर पटियाला का जिला डेरा बस्सी चंडीगढ़ के करीब है। इधर बीते दिनों एक शादी की रिसेप्शन में चर्चा चली तो पता चला कि कुछ परिवार परेशान इसलिए हैं, क्योंकि इनके गांवों और परिवारों के कई नौजवानों को भारत से हजारों किलोमीटर दूर चल रही रूस और यूक्रेन की जंग में झोंक दिया गया है। ये रूस की तरफ से लड़ रहे हैं। इस युद्ध में बहुत सारे हिन्दुस्तानी नौजवान अकारण शहीद भी हो गए हैं।

अब युद्ध सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं रह गई है। इसमें हमारे देश के साधारण नौजवान भी बिना अपनी मर्जी के फंस गए हैं। बेहतर नौकरी, अच्छी कमाई और विदेश में बसने के सपने देखकर रूस गए ये युवा एजेंटों के जाल में फंस गए। उन्हें 'सुरक्षा गार्ड' या 'हेल्पर' की जॉब का लालच दिया गया लेकिन रूस पहुंचते ही पासपोर्ट छीन लिया गया, हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी गई और सीधे यूक्रेन के फ्रंट पर भेज दिया गया। अब तक 36 भारतीय इस जंग में शहीद हो चुके हैं, 11 लापता हैं। ये आंकड़े खुद सरकार ने संसद में दिए हैं। जर्मन की दोएशे वेले और बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस की यात्रा के दौरान 8 जुलाई 2024 को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ इस मसले पर बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी जी ने भारतीयों को धोखे से रूसी सेना में भर्ती किए जाने, उनकी जल्द रिहाई और वापसी का मुद्दा उठाया।

पंजाब, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा समेत कई राज्यों से युवा इस जाल में फंसे। सीबीआई ने 'ूमन ट्रैफिकिंग के कई मामले दर्ज किए हैं। एजेंट सोशल मीडिया, यूट्यूब पर लालच देते थे- अच्छी सैलरी, आसान काम, कोई खतरा नहीं। कई लड़के फ्रंट से 'प्लीज बचाओ' वाले वीडियो भेजकर मदद मांगते थे। इस बीच, 18 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में विदेश मंत्रालय की ओर से राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लिखित जवाब दिया। सवाल तृणमूल कांग्रेस सांसद सकेत गोखले और कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पूछा था। सरकार के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2022 से अब तक 205 भारतीय नागरिक रूसी सशस्त्र बलों में भर्ती हुए माने जाते हैं। इनमें से 36 भारतीय युद्ध में मारे गए हैं। 11 भारतीय लापता बताए गए हैं। सरकार के कूटनीतिक प्रयासों से 119 भारतीयों को समय से पहले छुट्टी दिलाई गई और उन्हें भारत वापस लाया गया। काफी संख्या में भारतीय अभी भी फंसे हुए हैं, उनकी छुट्टी के लिए लगातार कोशिशें जारी हैं।

लड़ाई में मारे गए भारतीयों के शवों की वापसी के बारे में मंत्री ने बताया कि 10 मृत भारतीयों के शव भारत लाए गए हैं, जबकि 2 का रूस में ही अंतिम संस्कार कराया गया। 18 मृत या लापता भारतीयों के परिवारों के डीएनए सैंपल रूसी अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि शवों की सही पहचान हो सके। भारतीय दूतावास ने फंसे हुए नागरिकों को यात्रा दस्तावेज और हवाई टिकट उपलब्ध कराए। विदेश मंत्रालय ने बार-बार चेतावनी जारी की है कि रूस में सुरक्षा गार्ड या हेल्पर की नौकरी के चक्कर में न पड़ें। परिवारों की पीड़ा अत्यधिक है। डेरा बस्सी में पंजाब के धुरी शहर से आए परमजीत सिंह नाम के सज्जन ने बताया कि उनके शहर और प्रदेश के बहुत सारे नौजवान रूस की तरफ से यूक्रेन के खिलाफ लड़ रहे हैं। इनके परिवार वाले इन्हें वापस बुलाने की कोशिशें कर रहे हैं।

हैदराबाद के तीस साल के मोहम्मद अफसान की कहानी रुला देती है। कपड़ों की दुकान पर काम करने वाले अफसान दो छोटी बच्चियों के पिता थे। एजेंट ने उन्हें ''हेल्पर की आसान जॉब'' का लालच दिया। दिसंबर 2023 में रूस गए और फरवरी 2024 में यूक्रेन के हमले में शहीद हो गए। भाई मोहम्मद इमरान बताते हैं, 'भाई को फ्रंट पर नहीं भेजने का वादा किया गया था। गुजरात के सूरत का 23 वर्षीय हेमिल अश्विनभाई मंगुकिया भी इसी धोखे का शिकार बना। दिसंबर 2023 में हेल्पर की जॉब के चक्कर में गया। फरवरी 2024 में डोनेत्स्क में यूक्रेनी एयर स्ट्राइक में शहीद हो गया। पिता अश्विनभाई मॉस्को तक गए शव लेने। बेटे ने शुरूआत में कुछ पैसे घर भेजे थे लेकिन फिर फ्रंट की खबर आई। परिवार अब पैसे से बेटे को वापस नहीं ला सकता। हेमिल की मां रात-रात भर रोती है।

पीएम मोदी के राष्ट्रहित के आह्वान में भी राजनीति क्यों

आज पूरी दुनिया एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, ऊर्जा संकट और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं ने मानव सभ्यता को नई चुनौतियों के सामने खड़ा कर दिया है। खाड़ी देशों में लंबे समय से चल रहे संघर्ष और युद्ध की विभीषिका ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे तक प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि, आपूर्ति श्रृंखलाओं का बाधित होना, डॉलर के मुकाबले विभिन्न देशों की मुद्राओं का कमजोर होना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उत्पन्न असंतुलन ने लगभग हर राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित किया है। भारत भी इन परिस्थितियों से अछूता नहीं रह सकता। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और सोने का भी विश्व के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से ईंधन के संयमित उपयोग और सोने की खरीद को सीमित करने का आ''ान केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में किया गया दूरदर्शी चिंतन है। दुर्भाग्य यह है कि मोदी की मितव्ययिता की अपील पर पूरे देश को एकजुट होकर गंभीरता से विचार करना चाहिए था, उस विषय को भी राजनीतिक विवाद का हथियार बना दिया गया। कुछ विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की इस अपील को जनता में भय फैलाने वाला कदम बताया, तो कुछ ने इसे सरकार की विफलताओं को छिपाने का प्रयास कहा। जबकि वस्तुतः यह अपील राष्ट्र को भविष्य की संभावित चुनौतियों के प्रति सचेत करने और समय रहते आत्मानुशासन अपनाने का संदेश है। यह राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। जब विश्व के बड़े-बड़े राष्ट्र आर्थिक संकटों से जूझ रहे हों, तब भारत के प्रधानमंत्री यदि नागरिकों को संयम एवं मितव्ययिता का सूत्र देते हैं तो उसे राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह पहला अवसर नहीं है, जब प्रधानमंत्री ने देश की तरक्की को बनाए रखने की सामूहिक चिन्ता करते हुए मितव्ययिता एवं संयम की अपील की हो।

भारत की संस्कृति मूलतः संयम प्रधान रही है। भारतीय जीवन-दर्शन में संयम को केवल व्यक्तिगत गुण नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। हमारे ऋषियों, मुनियों और महापुरुषों ने सदैव आवश्यकता और विलासिता के बीच अंतर करना सिखाया। महावीर, बुद्ध, गांधी और विनोबा भावे जैसे महापुरुषों ने त्याग और संयम को ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति बताया। भारतीय संस्कृति कहती है कि जितना आवश्यक हो उतना ही उपभोग करो, क्योंकि असीमित उपभोग अंततः संकट को जन्म देता है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता हजारों वर्षों तक टिकाऊ और संतुलित बनी रही। आज जब पूरी दुनिया उपभोक्तावाद के दुष्परिणाम भुगत रही है, तब भारत की यही संयम आधारित संस्कृति समाधान का मार्ग दिखा सकती है। सोने के प्रति भारतीय समाज

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है

का आकर्षण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर गहरा रहा है। विवाह, पारिवारिक उत्सव, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक प्रतिष्ठा में सोने का विशेष स्थान है। लेकिन यह भी एक कठोर सत्य है कि भारत का अधिकांश सोना आयातित होता है। हर वर्ष अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार सोने के आयात पर खर्च होता है। यह सोना उत्पादन या औद्योगिक विकास में उपयोग होने के बजाय घरों और लॉकरों में बंद होकर निष्क्रिय पड़ा रहता है। ऐसे समय में जब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ रहा हो और रुपये की कीमत लगातार गिर रही हो, तब सोने की खरीद में संयम बरतने की अपील आर्थिक दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। यह किसी की परंपराओं के विरोध में नहीं, बल्कि देश की आर्थिक मजबूती के पक्ष में उठाया गया कदम है।

इसी प्रकार ईंधन के उपयोग में संयम भी समय की आवश्यकता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित तेल पर निर्भर है। खाड़ी देशों में युद्ध और अस्थिरता के कारण तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। इसका सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, परिवहन, उद्योग और महंगाई पर पड़ता है। यदि नागरिक ईंधन के अनावश्यक उपयोग को सीमित करें, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, ऊर्जा बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो इससे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को राहत मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं होता, बल्कि दूरदर्शिता और जिम्मेदारी भी होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील इसी जिम्मेदारी की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने किसी प्रकार की जबरदस्ती या प्रतिबंध की बात नहीं की, बल्कि नागरिकों से स्वैच्छिक सहयोग की अपेक्षा की। यह लोकतांत्रिक नेतृत्व की पहचान है।

एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री का कर्तव्य केवल संकट आने पर कदम उठाना नहीं होता, बल्कि संकट के संकेतों को पहचानकर समय रहते जनता को तैयार करना भी होता है। आज जब दुनिया के कई देशों में आर्थिक अस्थिरता के कारण भारी महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव देखने को मिल रहे हैं, तब भारत अपेक्षाकृत स्थिर स्थिति में है। यह केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में अपनाई गई आर्थिक नीतियों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत अभियान और वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत स्थिति का परिणाम है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्वव्यापी संकटों के बावजूद भारत ने अपने नागरिकों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ नहीं पड़ने दिया। महामारी से लेकर युद्धजनित परिस्थितियों तक भारत सरकार ने लगातार राहत योजनाएं चलाईं, गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, किसानों और मध्यम वर्ग को विभिन्न प्रकार की सहायता दी तथा अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने के लिए अनेक कदम उठाए। वैश्विक मंदी और युद्ध के वातावरण में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता का प्रमाण है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देशहित के ऐसे विषयों पर भी कुछ राजनीतिक दल संकीर्ण राजनीति से ऊपर नहीं उठ पा रहे। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार सभी को है, लेकिन हर विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू में तौलना राष्ट्रहित के विरुद्ध है। यदि प्रधानमंत्री जनता से संयम की अपील करते हैं तो विपक्ष को चाहिए कि वह भी जनता को जागरूक करे, न कि भय और भ्रम का वातावरण बनाए। राजनीति तब तक स्वस्थ मानी जाती है जब तक वह राष्ट्रहित से जुड़ी रहे। लेकिन जब राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे और राष्ट्रीय संकटों को भी अवसर की तरह देखने लगे, तब वह लोकतंत्र को कमजोर करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरा देश एक परिवार की तरह सोचते हुए राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि माने। संकट के समय संयम, अनुशासन और सहयोग ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होते हैं। भारत ने इतिहास में अनेक बार यह सिद्ध किया है कि जब भी राष्ट्र पर संकट आया, भारतीय समाज ने अद्भुत त्याग और एकता का परिचय दिया। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर युद्धकाल तक, भारतीय जनता ने अपने निजी हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को महत्व दिया है। आज फिर वही समय है जब हमें समझना होगा कि अनावश्यक उपभोग, दिखावे की प्रवृत्ति और अंधाधुंध विलासिता अंततः देश की आर्थिक मजबूती को कमजोर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील को इसी व्यापक संदर्भ में देखने की आवश्यकता है। यह केवल सोना न खरीदने या ईंधन बचाने का संदेश नहीं, बल्कि आत्मसंयम, आत्मअनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। भारतीय संस्कृति का मूल स्वर भी यही रहा है कि व्यक्ति अपने आचरण से समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाए। यदि हम संयम को जीवन का हिस्सा बना लें तो अनेक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो सकता है। आज दुनिया जिस अनिश्चितता और संकट के दौर से गुजर रही है, उसमें भारत अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में खड़ा है। इसका श्रेय देश की जनता की सामर्थ्य के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी जाता है। ऐसे समय में आवश्यकता राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सकारात्मक सोच की है। संयम केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का आधार है। यदि हम इस भावना को समझ सकें, तो न केवल वर्तमान संकटों का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे।

सोने, चांदी के दाम में भारी बढ़ोतरी, ज्वैलर्स बोले हमारी कमर टूट जाएगी, सर्राफा बाजार में हड़कंप, घर में रखे सोने का क्या होगा

पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत सरकार ने सोना, चांदी और प्लैटिनम के आयात पर सीमा शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है जिससे इनकी कीमत में जबरदस्त उछाल आ गया है। शादियों के सीजन में सोने, चांदी के भाव में इस तेजी ने कई परिवारों की चिंता बढ़ा दी है लेकिन सरकार का कहना है कि यह कदम बेहद जरूरी हो गया था। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार ने सोना और चांदी पर प्रभावी आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर पंद्रह प्रतिशत कर दिया है, जबकि प्लैटिनम पर यह शुल्क छह दशमलव चार प्रतिशत से बढ़ाकर पंद्रह दशमलव चार प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा, चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने और गैर जरूरी आयातों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

नई व्यवस्था के तहत सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर दस प्रतिशत मूल सीमा शुल्क तथा पांच प्रतिशत कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया है, जिससे कुल प्रभावी कर पंद्रह प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही सोना और चांदी के डोरे, सिक्कों तथा अन्य संबंधित उत्पादों पर भी शुल्क बढ़ाया गया है। सरकारी सूत्रों के अनुसार मौजूदा भू राजनीतिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल के वैश्विक बाजार तथा समुद्री आपूर्ति मार्गों में भारी अस्थिरता पैदा हुई है। हम आपको बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में शामिल है, इसलिए ऊंची तेल कीमतों और आपूर्ति बाधाओं से देश के आयात बिल, महंगाई और चालू खाते के घाटे पर दबाव बढ़ सकता है।

मोदी सरकार का कहना है कि ऐसे समय में विदेशी मुद्रा संसाधनों को आवश्यक क्षेत्रों के लिए सुरक्षित रखना जरूरी हो जाता है। दरअसल, विदेशी मुद्रा का उपयोग कच्चे तेल, उर्वरक, औद्योगिक कच्चे माल, रक्षा जरूरतों, महत्वपूर्ण तकनीक और पूंजीगत वस्तुओं जैसे जरूरी आयातों के लिए प्राथमिकता से किया जाना चाहिए, क्योंकि ये देश की अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत ढांचे और राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़े हैं। इसके विपरीत सोना और चांदी जैसे बहुमूल्य धातुओं का आयात मुख्य रूप से उपभोग और निवेश आधारित माना जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा का भारी बहिर्गमन होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों से एक वर्ष तक सोने की खरीद टालने की अपील की है ताकि विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम किया जा सके। हम आपको बता दें कि भारत अपनी आवश्यकता का लगभग पूरा सोना आयात करता है। पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार से कमजोर प्रतिफल और बुलियन कीमतों में तेजी के कारण निवेश के रूप में सोने की मांग तेजी से बढ़ी है। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के अनुसार मार्च

नई व्यवस्था के तहत सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर दस प्रतिशत मूल सीमा शुल्क तथा पांच प्रतिशत कृषि अवसंरचना और विकास उपकर लगाया है, जिससे कुल प्रभावी कर पंद्रह प्रतिशत हो गया है। इसके साथ ही सोना और चांदी के डोरे, सिक्कों तथा अन्य संबंधित उत्पादों पर भी शुल्क बढ़ाया गया है

तिमाही में भारत के स्वर्ण विनिमय कारोबार कोषों में निवेश सालाना आधार पर एक सौ छियासी प्रतिशत बढ़कर बीस मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

देखा जाये तो मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे केवल बहुमूल्य धातुओं के आयात को नियंत्रित करना ही नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ते आयात बिल और विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव को कम करना भी एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा के कारण कच्चे तेल और उर्वरकों के आयात खर्च में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे देश के भुगतान संतुलन और चालू खाते के घाटे पर गंभीर दबाव बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि आयात शुल्क बढ़ने से अल्पकाल में चालू खाते के घाटे और रुपये पर दबाव कम हो सकता है, लेकिन घरेलू बाजार में सोना और चांदी और महंगे हो सकते हैं तथा तस्करी का खतरा फिर बढ़ सकता है। हम आपको याद दिला दें कि सरकार ने इससे पहले भी सोना और चांदी के आयात पर तीन प्रतिशत एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर लगाया था, जिसके बाद बैंकों ने एक महीने से अधिक समय तक आयात रोक दिया था। परिणामस्वरूप अप्रैल महीने में सोने का आयात लगभग तीस वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। बाद में बैंक कर भुगतान के बाद आयात फिर शुरू कर पाए, लेकिन अब नई शुल्क बढ़ोतरी के बाद व्यापारियों का मानना है कि आयात में फिर भारी गिरावट आ सकती है। इसलिए उद्योग जगत ने सरकार के इस कदम पर चिंता जताई है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद के अध्यक्ष राजेश रोकडे ने कहा कि बढ़े हुए शुल्क और प्रधानमंत्री की मितव्ययिता अपील के कारण कारोबार कठिन दौर में पहुंच सकता है। उनका कहना है कि इससे अवैध बाजार और तस्करी को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे समानांतर अर्थव्यवस्था खड़ी होने का खतरा है। परिषद के अनुसार अब सीमा शुल्क, वस्तु एवं सेवा कर तथा कृषि उपकर को मिलाकर सोना प्रति दस ग्राम लगभग सत्ताईस हजार रुपये तक महंगा हो सकता है, जबकि पहले यह बढ़ोतरी लगभग तेरह हजार पांच सौ रुपये थी। इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय करने के लिए उद्योग संगठनों की बैठक मुंबई में बुलाई गई है।

सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के प्रबंध निदेशक सुवंकर सेन का कहना है कि जब तक पश्चिम एशिया संकट और ऊंची तेल कीमतों की स्थिति बनी रहेगी, तब तक आयात शुल्क ऊंचे स्तर पर रह सकते हैं। उनके अनुसार इस कदम से सोने की मांग में दस से पंद्रह प्रतिशत तक कमी आ सकती है और उपभोक्ता हल्के वजन के आभूषणों की ओर रुख कर सकते हैं। वहीं सरकार का तर्क है कि सीमा शुल्क में यह बढ़ोतरी उपभोक्ता विरोधी नहीं बल्कि संतुलित और सावधानीपूर्वक उठाया गया कदम है, जिसका उद्देश्य गैर जरूरी आयातों को नियंत्रित करना और देश की व्यापक आर्थिक स्थिरता को सुरक्षित रखना है। सूत्रों के अनुसार अतीत में भी वैश्विक अस्थिरता के समय सीमा शुल्क का उपयोग आर्थिक संतुलन बनाए रखने के साधन के रूप में किया जाता रहा है। वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में जब बाहरी आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत थी, तब सरकार ने सोना और चांदी पर शुल्क पंद्रह प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत तथा प्लैटिनम पर शुल्क पंद्रह दशमलव चार प्रतिशत से घटाकर छह दशमलव चार प्रतिशत कर दिया था। हम आपको यह भी बता दें कि पहले के दौर में भी स्वर्ण नियंत्रण संबंधी कठोर नियम लागू किए गए थे। तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई ने 1962 में स्वर्ण नियंत्रण उपाय लागू किए थे, जिनके तहत सोने पर अग्रिम कारोबार पर रोक लगाई गई और बैंकों द्वारा दिए गए स्वर्ण ऋण वापस लिए गए। बाद में 1963 में चौदह कैरेट से अधिक शुद्धता वाले आभूषणों के निर्माण पर रोक लगा दी गई और 1968 में कडा स्वर्ण नियंत्रण कानून लागू किया गया था।

जेल में प्रिंटिंग, आर्मी कैंप में प्रश्नपत्र तैयार, करेंसी से ज्यादा सिक्योरिटी, नीट पेपर लीक के बीच चीन मॉडल की क्यों हो रही इतनी चर्चा

अभी 3 मई की रात को करीब 23 लाख बच्चों ने महीनों बाद पहली बार सुकून की सांस ली थी। किसी ने मां से कहा कि मम्मी पेपर अच्छा हो गया। किसी ने पापा से कहा कि शायद सरकारी नौकरी मिल जाएगी। मेडिकल कॉलेज मिल जाएगा। उन लाखों बच्चों को लग रहा था कि उनकी जिंदगी जो है वह बदलने वाली है। लेकिन कुछ ही दिनों बाद ये खबर आती है जिसने उनकी दुनिया को हिला कर दिया है। पेपर लीक की शिकायतों के बाद नीट एग्जाम रद्द हो गया है। 3 मई को ऑलरेडी कंडक्ट हो चुका एग्जाम अब फिर से होगा। ऐसे में सवाल है कि आखिर कब तक इस देश में लाखों बच्चों से कहा जाएगा कि बच्चे तुम ना फिर से तैयारी कर लो। एग्जाम जो है वो कैंसिल हो गया। आखिर कब तक इस देश में बच्चे पेपर लीक, करप्शन और सिस्टम की नाकामियों का बोझ उठाते रहेंगे? एक बच्चा है जिसकी दुनिया स्कूल, कोचिंग, टेस्ट सीरीज और चार दीवारी के एक छोटे से कमरे तक सिमट चुकी थी। जिसने महीनों से सालों से अपने दोस्तों से दूरियां बनाई थी। वो त्यौहार पर अपने घर नहीं गया। उसने मोबाइल फोन छोड़ दिया। उसने क्रिकेट खेलना छोड़ दिया। आईपीएल देखना छोड़ दिया। दोस्तों के साथ मौज मस्ती, बाहर घूमना फिरना छोड़ दिया। क्योंकि उसे यह बताया गया था उसके टीचर्स, उसके पेरेंट्स के थ्रू कि बच्चे मेहनत कर लो जिंदगी बदल जाएगी। लेकिन अचानक सिस्टम एक दिन कहता है कि एग्जाम कैंसिल हो चुका है। उसी पल उन लाखों बच्चों को ऐसा लगता है जैसे उनकी मेहनत नहीं उनके भरोसे को खत्म कर दिया गया हो। उनकी जिंदगी उन्हें करियर से खिलवाड़ कर दिया गया हो।

तब और अब में क्या चदल गया? 2024 में लीक स्थानीय (पटना और गोधरा) था, जबकि 2026 में डिजिटल प्रसार के कारण यह राष्ट्रव्यापी हो गया। तब बचाव की नीति थी, 2026 में जीरो टॉलरेंस के तहत तुरंत फैसला। अब सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम लागू है। इसमें सजा जुमार्ना ज्यादा है। दूसरे देशों में कैसे कानून हैं? चीनः नकल या पेपर लीक पर 7 साल तक वेल। इसे 'देशद्रोह जैस्स मानते हैं। बांगलादेश, द. कोरिया पेपर लीक पर 10 साल तक की बेल और आजीवन ब्लैकलिस्ट करने का सख्त नियम। अल्जीरियाः परीक्षा के दौरान देशव्यापी इंटरनेट शटडाउन व जेल का प्रावधान।

अभ्यर्थियों पर क्या असर होगा? दोबारा परीक्षा की अनिश्चितता, तैयारी की लय टूटना बड़ा मनोवैज्ञानिक बोझ। परीक्षा और काउंसलिंग उत्लने से पूरा शैक्षणिक सत्र पिछड़ जाता है, जिससे मेडिकल शिक्षा का समय बढ़ जाता है। इसे भी पढ़ेंः ऐसा खेल खेल रहा...भारत का नाम लेकर नेतन्याहू का पाकिस्तान पर बहुत बड़ा खुलासा आरोपियों के लिए क्या सजा? नीट 2024 के बाद बने 'सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2024 में सख्तीः संगठित पेपर लीक के लिए 5-10 वर्ष की जेल। न्यूनतम 1 करोड़ रु. जुमार्ना। परीक्षा कराने वाली एजेंसी से पूरी लागत वसूलेंगे। 4 साल बैन भी संभव। ऐसे केस में दोषसिद्दिध की दर कम है। परीक्षा में कितना खर्च आता है? 23 लाख बच्चों को परीक्षा पर लगभग 400-500 करोड़ रु. खर्च आ सकता है। इसमें प्रश्नपत्रों को छपाई, सुरक्षित परिवहन, परीक्षा केंद्रों का किराया और स्टाफ का मानदेय शामिल है। छात्रों से दोचारा फीस नहीं ली जाएगी। मतलब है कि इसका पूरा खर्च एजेंसी उठाढ्गी।

ये सुझाव पहले मान लिए जाते तो शायद ऐसी नौबत नहीं आतीः करीब 24 लाख स्टूडेंट्स का फ्यूचर अब दांव पर है। लेकिन कुछ ऐसे काम हैं जो अगर पहले हो गए होते अगर वो सुझाव मान लिए जाते तो शायद यह नौबत ना आती। बात यह है कि साल 2024 में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की ओर से पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी ऑन एजुकेशन वुमेन चिल्ड्रन यूथ एंड स्पोर्ट्स बनाई गई थी। जिसके चेयर पर्सन थे कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह। इस कमेटी ने पेपर लीक्स रोकने के लिए कुछ सुझाव दिए थे। पहला सुझाव था प्राइवेट वेंडर्स पर डिपेंडेंसी कम करना। पैनल ने इस बात पर फोकस किया था कि पेपर हैंडलिंग, एग्जाम, लॉजिस्टिक्स, टेक्निकल सपोर्ट्स के लिए गवर्नमेंट इंस्टीटशंस प्राइवेट वेंडर्स का सपोर्ट लेते हैं। यह पूरे एग्जाम सिस्टम को वनरेबल बनाता है।

अगर कोई प्राइवेट वेंडर गड़बड़ी करता है तो उसे हमेशा के लिए ब्लैक लिस्ट किया जाना चाहिए। दूसरा सुझाव था फंड का बेहतर इस्तेमाल। पैनल ने एक जरूरी सवाल उठाया था कि जब एग्जाम सिस्टम के लिए करोड़ों रुपए का फंड एलोकेट किया जाता है तो उस फंड का इस्तेमाल एग्जाम सिक्योरिटी के लिए क्यों नहीं होता?

संक्षिप्त खबरें

पुणे मंडल में एनआई कार्य के मद्देनजर पुणे-दानापुर स्पेशल का परिचालन 16 एवं 17 मई रद्द किया गया

संवाददाता

पटना: पुणे मंडल में दौंड-मनमाड दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत अकोलनेर-अहमदनगर-निंबलक रेलखंड के कमीशनिंग हेतु एनआई कार्य प्रस्तावित है ।

इसके मद्देनजर निम्नलिखित ट्रेनों का परिचालन रद्द किया गया ' गाड़ी सं. 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल - 16 एवं 17 मई, 2026 को रद्द गाड़ी सं. 01450 दानापुर-हडपसर (पुणे) स्पेशल - 16 एवं 17 मई, 2026 को रद्द.

क्लास में खर्राटे, मैदान में छात्र: बाढ़ के प्राथमिक विद्यालय में प्रधान शिक्षक पर गंभीर आरोप

संवाददाता

बाढ़ अनुमंडल के प्राथमिक विद्यालय नया टोला इब्राहिमपुर में प्रधान शिक्षक गौतम कुमार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रधान शिक्षक क्लास छोड़कर स्कूल में ही सो जाते हैं, जबकि बच्चे पढ़ाई छोड़ मैदान में खेलते रहते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल के अन्य शिक्षकों की ड्यूटी इन दिनों जनगणना कार्य में लगी हुई है। ऐसे में जैसे ही अन्य शिक्षक ड्यूटी पर निकलते हैं, प्रधान शिक्षक गौतम कुमार क्लास में ही आराम करने लगते हैं। इस दौरान बच्चे क्लास छोड़कर मैदान में क्रिकेट खेलने चले जाते हैं। ग्रामीणों ने इसका वीडियो भी बनाकर अधिकारियों तक पहुंचाया है।

बताया जा रहा है कि यह वही प्रधान शिक्षक हैं, जिनका कुछ महीने पहले स्कूल परिसर में एक महिला को छड़ी से पीटने और गाली-गलौज करने का वीडियो वायरल हुआ था। उस मामले में भी शिक्षा विभाग को शिकायत भेजी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप ग्रामीण लगा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल भेजते हैं, लेकिन स्कूल में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है। आरोप है कि स्कूल समय में बच्चे मैदान में खेलते रहते हैं और प्रधान शिक्षक क्लास में मुंह ढककर सोते रहते हैं। इस मामले पर अमित कुमार ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। शिक्षक का स्कूल समय में सोते हुए वीडियो सामने आया है और मामले में जांच के बाद कठोर कार्रवाई की।

पटना में रिश्वतखोरी के आरोप में एडिशनल SHO गिरफ्तार, निगरानी टीम ने एक लाख लेते दबोचा

संवाददाता

पटना। राजधानी पटना में निगरानी विभाग ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जानीपुर थाना के एडिशनल SHO संजय सिंह को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, मामला जमीन विवाद से जुड़ा है। पीड़ित कौशल किशोर का आरोप है कि जमीन संबंधी मामले को सुलझाने और कब्जा दिलाने के नाम पर उनसे मोटी रकम मांगी गई थी। पहले पांच लाख रुपये की मांग हुई, बाद में दो लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसके बाद पीड़ित ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। बुधवार को संजय सिंह गाजाचक मोहम्मदपुर पंचायत के कोरियावां इलाके में जमीन की पैमाइश और खूंटा गड़वाने पहुंचे थे। इसी दौरान जैसे ही उन्होंने एक लाख रुपये लिए, पहले से तैयार निगरानी टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तारी के दौरान उन्होंने अपनी पिस्टल निकालने की कोशिश की, लेकिन टीम में शामिल अरक रवि कुमार ने तुरंत उनका हाथ पकड़ लिया। इस दौरान रवि कुमार के हाथ में चोट भी आई। DSP अरुणोदय पांडे ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद जांच कराई गई थी। आरोप सही पाए जाने पर ट्रैप टीम बनाकर कार्रवाई की गई।

कुर्की अभियुक्त रजौली पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

संवाददाता

रजौली। एक कुर्की अभियुक्त को रजौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि रजौली थाना क्षेत्र के करमाकला गांव निवासी बासु चौधरी के बेटे वीरेंद्र चौधरी एक कुर्की अभियुक्त था, जो कोर्ट मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था। मंगलवार को थाने के पुलिस बल के द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद बुधवार को अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में स्वास्थ्य जांच कराने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

साफ-सफाई के दौरान छत से गिरने से एक व्यक्ति की हुई मौत, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल

संवाददाता

रजौली। रजौली नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 स्थित गोपाल नगर मोहल्ले में छत पर साफ-सफाई करने चढ़ा एक व्यक्ति अचानक छत पर से नीचे गिर गया। गिरने के बाद परिजनों व ग्रामीणों के सहयोग से आनन-फानन अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में भर्ती कराया गया।

जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक ने बताया कि घायल व्यक्ति के माथे में ज्यादा चोट होने के कारण उक्त व्यक्ति को सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया। लेकिन गंभीर स्थिति होने के कारण सदर अस्पताल जाने के क्रम में रास्ते में ही उक्त घायल व्यक्ति की मौत हो गई। मौत होने के बाद इनके परिवारजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना है। मृतक व्यक्ति की पहचान गोपाल नगर मोहल्ले के रामअनुज शर्मा उर्फ शर्मा जी के रूप में की गई है। इसकी पत्नी प्रतिमा कुमारी पीएचसी रजौली में पदस्थापित है। ग्रामीणों ने बताया कि शर्मा जी काफी सामाजिक और मृदुल स्वभाव के व्यक्ति थे। जिसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग लोग तक सभी कोई जानते थे। उनके अचानक चले जाने से मोहल्ले में शोक व्याप्त है। उनकी मौत की खबर सुनते ही लोग उनका अंतिम दर्शन करने उनके घर पहुंचने लगा। उनका अंतिम संस्कार उमाघाट बाढ़ में किया जाएगा।

पटना में 25 से 27 मई लगेगा स्वास्थ्य एवं रोजगार मेला

संवाददाता

पटना: बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तहत कौशल विकास मिशन के अंतर्गत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय स्वास्थ्य एवं रोजगार मेला का आयोजन करने जा रहा है। मई महीने की 25, 26 और 27 तारीख को पटना के गांधी मैदान के पास मौजूद ज्ञान भवन में किया जाएगा। इस मामले में विभागीय सचिव डॉ. कौशल किशोर का कहना है कि इस रोजगार मेले के माध्यम से लगभग 20 हजार युवाओं को ऑन स्पॉट रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है।

सचिव ने बताया कि मेले की तैयारी विभागीय स्तर पर तेजी से चल रही है। अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रखंड से लेकर मुख्यालय स्तर तक के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह मेला युवाओं को रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

जिला पदाधिकारी ने किया फार्मर आईडी निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी, अभिलाषा शर्मा ने औरंगाबाद प्रखंड अंतर्गत फेसर पंचायत के सोहरैया गांव में ''फार्मर रजिस्ट्री - किसान की डिजिटल पहचान'' अभियान के तहत संचालित फार्मर आईडी निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य जिले में चल रहे विशेष अभियान की प्रगति का आकलन करना तथा किसानों की डिजिटल पहचान सुनिश्चित करने हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करना था।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी महोदया ने शिविर स्थल पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों से फार्मर रजिस्ट्री की प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्था, दस्तावेज सत्यापन एवं किसानों की सहभागिता से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पंजीकरण कार्य की गति एवं गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति हेतु मिशन मोड में कार्य करते हुए फार्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

जिला पदाधिकारी महोदया ने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर डोर-टू-डोर अभियान चलाकर दूरस्थ, वंचित एवं अब तक पंजीकरण से छूटे किसानों तक पहुंच बनाई जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान ''फार्मर रजिस्ट्री - किसान की डिजिटल पहचान'' अभियान से वंचित न रह सके। उन्होंने पंचायतों में संचालित शिविरों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा कार्य में पारदर्शिता एवं दक्षता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

गौरतलब है कि दिनांक 12 मई 2026 से 30 जून 2026 तक जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत किसानों का फार्मर रजिस्ट्री एवं फार्मर आईडी निर्माण कराया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले के सभी पात्र किसानों को डिजिटल पहचान प्रदान करना तथा उन्हें कृषि संबंधी योजनाओं एवं सेवाओं से प्रभावी रूप से जोड़ना है। जिले के विभिन्न प्रखंडों की पंचायतों में पंचायत सरकार भवनों पर कृषि समन्वयक, राजस्व कर्मचारी, किसान सलाहकार एवं आवास सहायक की उपस्थिति में मिशन मोड में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित सभी प्रक्रियाओं का निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही किसानों को आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन एवं पंजीकरण की प्रक्रिया में हर संभव सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

अब तक औरंगाबाद जिला में कुल 1, 21, 820 किसानों का सफलतापूर्वक फार्मर रजिस्ट्री किया जा चुका है। आज जिले में कुल 878 किसानों का ई-केवाईसी तथा 543 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री सफलतापूर्वक संपन्न किया गया, जिसके आधार पर औरंगाबाद जिला आज पूरे बिहार में प्रथम स्थान पर रहा।

जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी किसान भाई-बहनों से अपील की गई है कि वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने पंचायत के किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, राजस्व कर्मचारी अथवा निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर से संपर्क कर शीघ्र अपना फार्मर रजिस्ट्री कराएं, ताकि सरकार द्वारा संचालित कृषि संबंधी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। उक्त अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री संतन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी, औरंगाबाद, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद सहित संबंधित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आरपीएफ डेहरी ऑन सोन ने 239.5 ग्राम चांदी एवं 0.29 मिलीग्राम सोना के साथ दो चोर को रंगे हाथों किया गिरफ्तार

संवाददाता

डेहरी ऑन सोन, रोहतास : बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन के प्रभारी निरीक्षक रामविलास राम के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक उपेंद्र कुमार साथ प्रधान आरक्षी जयशंकर कुमार एवं प्रधान आरक्षी विनोद कुमार सिंह रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन में गस्त व चेकिंग एवं अपराधिक गतिविधि निगरानी कर रहे थे .

उसी दौरान प्लेटफार्म संख्या 03 के पश्चिमी छोर में स्थित यात्री शेड में दो व्यक्तियों को यात्रियों के चुराए हुए सामान के साथ पकड़े एवं पूछने पर दोनों ने अपना नाम (01) चंद्रभान सिंह खरवार उम्र करीब 30 वर्ष, (02) बीस कुमार, उम्र करीब 25 वर्ष दोनों के पिता किरानी खरवार, ग्राम गजबोर बीघा, थाना बारुण जिला औरंगाबाद (बिहार) बताया एवं दोनों के तलाशी लेने पर 239.5 ग्राम चांदी और0.29 मिलीग्राम सोना के विभिन्न प्रकार के जेवरात प्राप्त हुआ जिसका अनुमानित कीमत 22000 रुपए है, जीसके संबंध में दोनों ने बताया कि ट्रेन में ही यात्रियों के चोरी किया हूं। बाद मौके पर ही सभी आवश्यक कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्रवाई हेतु राजकीय रेल थाना डेहरी ऑन सोन को सुपुर्द किया गया ।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, पांच लोग गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: डुमरिया-प्रखंड के बोधी बिगहा गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरिया में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है.घायलों में एक पक्ष से अनिल कुमार सिंह एवं बिट्टू कुमार, जबकि दूसरे पक्ष से कर्मदेव सिंह, नरेंद्र सिंह और ब्रह्मदेव सिंह शामिल हैं. बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है और मामला न्यायालय में विचाराधीन है.

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डा0 असलम ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर गांव में हुई मारपीट में दोनो पक्ष के पॉच लोग घायल आये जिसे इलाज किया गया. घायलों में दो व्यक्ति को गम्भीर चोट आई थी, हेड इंज्यूरी हुआ था जिसे बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल अस्पताल गया रेफर किया गया है.

जानकारी के अनुसार बुधवार को संबंधित जमीन का सर्वे कार्य चल रहा था. इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई. घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया.प्रथम पक्ष से सोनम कुमारी ने घटना को लेकर बताया कि जमीन विवाद को लेकर पहले से मामला कोर्ट में चल रहा है. सर्वे के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए, जिसके बाद मारपीट की घटना हुई. इस संबंध में बोधी बिगहा थानाध्यक्ष प्रियनंदन आलोक ने बताया कि घटना कि सूचना मिली हे अभी किसी पक्ष से आवेदन प्राप्त नही हुआ है. आवेदन मामले जी जॉच की जा रही है.

शांति निकेतन के छात्रों ने 12वीं की परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन

LUCKY RAJ
96%(ARTS)

ANJELINA SINGH
94% (ARTS)

MANYA SINHA
94% (COMMERCE)

PALAK KUMARI
92% (SCIENCE)

ANUPRIYA
90% (SCIENCE)

संवाददाता

गयाजी: सीबीएसई 12वीं में शांति निकेतन एकेडमी के छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन शानदार रहा। छात्र-छात्राओं ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं अपने माता-पिता का नाम रौशन किया। विद्यालय स्तर पर लकी कुमारी 96 प्रतिशत अंक (आर्टस), एंजेलिना सिंह 94 प्रतिशत अंक (आर्टस), मान्या सिन्हा 94 प्रतिशत (कार्मस), पलक कुमारी 92 प्रतिशत (साइंस), अनुप्रिया 90 प्रतिशत (साइंस), प्राप्त कर परचम लहराया।

50 छात्रों ने 85 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय परीक्षा परिणाम शानदार रहा तथा विद्यालयके शत-प्रतिशत छात्र सफल रहे। विद्यालय के चेयरमैन हरि प्रपन्न ने कहा कि विद्यालय के बच्चों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम तथा सही मार्गदर्शन से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने छात्र के उत्कृष्ट सफलता के लिए छात्रों की कड़ी मेहनत एवं शिक्षकों की लगनशीलता का आभार प्रकट किया। साथ ही शिक्षकों को अब वर्ग 11 वीं में नामांकन लेने वाले छात्रों को और बेहत्तर शिक्षा एवं अगले वर्ष भी 12वीं बोर्ड में उत्कृष्ट परिणाम मिले इसके लिए शिक्षको को बेहतर योजना पर काम करने का सुझाव दिया। ताकि विद्यालय उच्च शिक्षा में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके इसके लिए सभी छात्र-छात्राओं को बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये।

चेन छिनतई का विरोध पड़ा भारी: दरभंगा में चाय दूकानदार की गोली मारकर हत्या, सीसीटीवी में बाइक से भागते दिखे अपराधी, आक्रोशित लोगों ने बढ़ते अपराध पर टायर जला एवं सड़क जामकर किया प्रदर्शन

सूचना मिलते ही सदर डीएसपी, राजीव कुमार एवं कई थानो की पुलिस पहुंची शव को कब्जे में लेकर कराया गया पोसमार्टम, परिवार का रो रोकर हो रहा बुरा हाल

संवाददाता

दरभंगा। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह की अहले सुबह लगभग 8 बजे कुछ अपराधियों ने दिनदहाड़े दुस्साहसिक वारदात को अंजाम देते हुए एक व्यक्ति के गले से सोने की चेन छीनकर भाग रहे थे इसी बिच एक व्यक्ति ने उसे पकड़ने की कोशिश की इसी बिच अपराधीयों में एक ने गोली चला दी और गोली मारकर हत्या कर दी। बताये चले की यह घटना हसन चौक स्थित दुर्गा मंदिर के पास की बताई जाती है, जहां चेन छिनतई का विरोध करना युवक को महंगा पड़ गया। अपराध दिनों दिन दरभंगा और बिहार में बढ़ता ही जा रहा है कम होने की जगह और बढ़ गया है। इधर मृतक की पहचान श्रवण कुमार के रूप में हुई है, जो विश्वविद्यालय परिसर में चाय-नाश्ते की दुकान चलाते थे। जानकारी के अनुसार, सुबह के लगभग 8 बजे होंगे लोग उस समय अपने अपने कामो में व्यस्त थे। तभी इलाके में बाइक पर सवार अपराधियों द्वारा चेन छिनतई की घटना को अंजाम दी जा रही थी। अपराधी द्वारा अमित कुमार से चेन छीन रहे थे उस वह दूध लेने के लिए घर से निकले थे। तभी दो बाइक पर सवार अपराधियों ने पीछे से उनकी चेन झपटने की कोशिश की। विरोध करने पर अपराधियों ने तीन राउंड फायरिंग भी किया, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। इसके बाद अपराधी आगे बढ़े और श्रवण कुमार को निशाना बनाते हुए उनके सीने में गोली मार दी। घायल श्रवण को आनन फानन में लोगो ने ईलाज के लिए डीएमसीएच ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई, घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। लोगों ने मांग करते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग किया है। इधर, सूचना मिलते ही विश्वविद्यालय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाली जा रही है और अपराधियों की पहचान के लिए छापेमारी भी की जा रही है। घटना की सूचना मिलते है विभिन्न संगठनों पार्टी के लोगो ने भी सड़क पर बैठकर सरकार और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और बढ़ते अपराध को लेकर नाराजगी जताया।

बिहार के सीएम सम्राट चौधरी का दरभंगा में होगा ऐतिहासिक स्वागत, सीएम बनने के पहली बार दरभंगा आयेंगे सम्राट चौधरी, कार्यकर्ताओं में उत्साह : डा गोपाल जी ठाकुर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के दरभंगा आगमन की सफलता के लिए सांसद ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

संवाददाता

दरभंगा। बिहार में मुख्यमंत्री बनने के बाद सीएम सम्राट चौधरी के पहली बार दरभंगा आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। सीएम सम्राट चौधरी के स्वागत के निमित्त स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर के लहेरियासराय बलभद्रपुर स्थित संसदीय कार्यालय में एक बैठककर ऐतिहासिक रूप से स्वागत, सम्मान करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने कहा दरभंगा मिथिला का केन्द्रविंदु है इसलिए मुख्यमंत्री बनने के बाद दरभंगा में पहली बार सीएम का आगमन हो रहा है इसलिए उनका स्वागत इतने विशाल स्तर पर हो कि उसकी विशाल स्तर पर चर्चा की जाय। सांसद ने सीएम सम्राट चौधरी को बिहार में भाजपा कार्यकताओं का रॉल मॉडल बताते हुए कहा इनके नेतृत्व में बिहार के विकास कार्यों में और तेजी आ रही है। उन्होंने सीएम सम्राट चौधरी के आगमन को दरभंगा के लिए ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा मुख्यमंत्री का आगमन दरभंगा के लिए ऐतिहासिक उपलब्धिपूर्ण साबित होगा।

बाबा चौहरमल महोत्सव में गूंजा सामाजिक एकता का संदेश

संवाददाता

दरभंगा। वीर बाबा चौहरमल महोत्सव के अवसर पर महुआ स्थित गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में ऑल इंडिया पासवान एकता मंच के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता एवं दलित चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान उर्फ गुरु जी शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर समाज के युवाओं एवं स्थानीय लोगों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए गुरु जी ने कहा वीर बाबा चौहरमल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि बाबा चौहरमल केवल एक नाम नहीं बल्कि साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। उन्होंने समाज को अन्याय, शोषण और सामंती दमन के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा दी। गुरु जी ने कहा चौहरमल का अर्थ केवल एक महापुरुष नहीं, बल्कि वह विचारधारा है जो समाज को अन्याय के खिलाफ खड़े होने की ताकत देती है। बाबा चौहरमल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही इतिहास रचता है।

नरकटियागंज-रामनगर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, तीन घायल

▸ मरजदवा से परीक्षा देकर वापस लौटने के दौरान हुआ हादसा ▸ बेतिया में इलाज के दौरान राजेंद्र काजी की हुई मौत

संवाददाता

नरकटियागंज: रामनगर मुख्य मार्ग पर मंझरिया गांव के समीप म तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। घटना मंगलवार की है। इस घटना में दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत में दो युवतियों समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक अपनी बाइक लेकर मौके से फरार होने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार, घायलों की पहचान बगहा पुलिस जिला अंतर्गत रामनगर थाना क्षेत्र के महुवी गांव निवासी राजेंद्र काजी, उनकी पुत्री अमीषा कुमारी और सहेली सोनम कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राजेंद्र काजी अपनी बेटी और उसकी सहेली को मरजदवा परसा से परीक्षा दिलाकर वापस घर लौट रहे थे।

इसी दौरान मंझरिया गांव के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक डॉ. श्री भगवान ने बताया कि राजेंद्र काजी की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार बेतिया में इलाज के दौरान राजेंद्र काजी की मौत हो गई है। इधर पुलिस घटना के बाद फरार बाइक सवार की तलाश कर रही है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

सड़क पर बिखरे सामान और क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। थानाध्यक्ष ज्वला कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों द्वारा अबतक कोई आवेदन नही दिया गया है। आवेदन मिलने पर आगे की करवाई की जाएगी।

पर्यटन मंत्री को वाल्मीकिनगर टाइगर रिजर्व आने का नियंत्रण

संवाददाता

बगहा: प्रखंड 2 के चम्पापुर गोनौली पंचायत के युवा सामाजिक कार्यकर्ता नितेश कुमार बुधवार को पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता से मुलाकात कर मंत्रीमंडल में शामिल होने पर बधाई दिए साथ ही वाल्मीकिनगर व टाइगर रिजर्व आने वाले सभी स्थलों का दृश्य को एल्बम के साथ उन्हें सौंपा। नितेश ने बताया कि मंत्री को वाल्मीकिनगर सहित टाइगर रिजर्व एवं पंचायत चंपापुर गोनौली व गोनौली वन प्रक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी धार्मिक व पर्यटन स्थल से अवगत कराया व वाल्मीकि नगर आने के लिए आग्रह किया इस कड़ी में उनसे बात करते हुए प्रस्तावित लव कुश पार्क, नंदी भौजी पोखर, वाल्मीकि सभागार, चंपापुर गोनौली सहित विभिन्न छठ घाटों का सौंदर्यकरण व नरदेवी जटाशंकर हरैयाकोट मदनपुर सोनासती कालेश्वर, इको पार्क, बराज आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। नितेश ने आगे कहा कि मंत्री जी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया उनकी वाल्मीकिनगर आगमन की योजना तैयार की जा रही है यथा शीघ्र पर्यटन मंत्री का आगमन बिहार का कश्मीर कहे जाने वाले पर्यटक स्थल वाल्मीकिनगर में होगा।

संक्षिप्त खबरें

नंदाई पुल पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, तीन घायल

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: डुमरिया-पटना स्टेट हाइवे 69 स्थित डुमरिया-इमामगंज मुख्य मार्ग नंदाई पुल के समीप बुधवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय ग्रामीणों एवं राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तत्काल डुमरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया. घायलों में मंझौली पंचायत के चटकपुर निवासी 18 वर्षीय पंकज कुमार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है.

दुर्घटना में उसका पैर टूट गया तथा माथे में भी गंभीर चोट लगी है. प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर कर दिया. वहीं सोनपुरा डुमरिया निवासी 18 वर्षीय बिपिन कुमार का इलाज डुमरिया अस्पताल में जारी है. तीसरे घायल की पहचान पिपरा निवासी 50 वर्षीय रामजी सिंह के रूप में हुई है, जिन्हें शरीर में कई जगह चोटें आई हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों मोटरसाइकिलें तेज रफ्तार में थीं और नंदाई पुल के पास अचानक आमने-सामने टकरा गईं.टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर गिर पड़े. दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई. ग्रामीणों ने बताया कि स्टेट हाइवे 69 पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं.लोगों ने प्रशासन से नंदाई पुल के समीप सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, चेतावनी बोर्ड लगाने तथा वाहनों की गति नियंत्रित कराने की मांग की है.

गोटिबंध के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक चालक घायल

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: बोधि बिगहा थाना क्षेत्र के हरिहरगंज-डुमरिया मुख्य मार्ग पर गोटिबंध के समीप सड़क दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरिया पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया।

घायल व्यक्ति की पहचान गोटिबंध निवासी लवकुश भुइयां (40 वर्ष) के रूप में की गई है। बताया जाता है कि वह किसी काम से मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी अचानक वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरिया के चिकित्सक डॉ. असलम ने बताया कि घायल युवक का प्राथमिक उपचार किया गया।

इलाज के बाद उसकी स्थिति सामान्य होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद परिजनों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने सड़क पर सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सोना-चांदी की बिक्री में गिरावट से डुमरिया के सर्राफा कारोबारियों की बढ़ी चिंता

संवाददाता

गयाजी डुमरिया: डुमरिया प्रखंड में इन दिनों सरार्फा बाजार मंदी की मार झेल रहा है. शादी-विवाह का मौसम होने के बावजूद सोनार दुकानों में ग्राहकों की भीड़ कम दिखाई दे रही है, जिससे कारोबारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है.स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल के दामों में उतार-चढ़ाव और लोगों की कमजोर होती आर्थिक स्थिति का असर सीधे बाजार पर पड़ रहा है. डुमरिया, मंझौली, मैगरा बाजार के कई स्वर्ण व्यवसायियों ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार बिक्री काफी कम हुई है. दुकानदारों के अनुसार, लोग जरूरी घरेलू खर्चों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके कारण आभूषणों की खरीदारी प्रभावित हुई है.

कुछ दुकानदारों ने कहा कि पहले जहां प्रतिदिन कई ग्राहक आते थे, वहीं अब पूरे दिन में गिने-चुने ग्राहक ही पहुंच रहे हैं.इधर पेट्रोल-डीजल की बढ़ती लागत का असर भी बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है. परिवहन खर्च बढ़ने से छोटे व्यापारियों की परेशानी और बढ़ गई है. सरार्फा व्यवसायियों ने सरकार से व्यापार को राहत देने तथा बाजार में ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है.

पटना में 14 मई को 15 मिनट का सिविल डिफेंस ब्लैकआउट, शाम 7 बजे बजेगा सायरन

संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के शहरी क्षेत्रों में गुरुवार 14 मई 2026 को शाम 7:00 बजे से 7:15 बजे तक सिविल डिफेंस ब्लैकआउट एवं मॉकड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास हवाई हमले जैसी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव तंत्र की प्रभावशीलता जांचने के उद्देश्य से किया जा रहा है। जिलाधिकारी पटना ने बताया कि निर्धारित समय पर 2 मिनट तक सिविल डिफेंस सायरन बजाया जाएगा। सायरन बजते ही लोगों से अपने घर, दुकान, प्रतिष्ठान एवं अन्य स्थानों की सभी लाइट बंद रखने की अपील की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह केवल पूर्व निर्धारित मॉक अभ्यास है, किसी वास्तविक खतरे या हमले की स्थिति नहीं है। आम जनता से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करने की अपील की गई है।

यह मॉकड्रिल पटना नगर निगम क्षेत्र सहित दानापुर निजामत, खगौल, फुलवारीशरीफ एवं नगर परिषद क्षेत्रों में आयोजित होगी। अभ्यास के दौरान एयर रेड अर्ली वार्निंग, ब्लैकआउट, इवैक्युएशन, सर्च एंड रेस्क्यू, मेडिकल रिस्पॉन्स तथा फायर फाइटिंग सहित छह अलग-अलग परिदृश्यों पर कार्य किया जाएगा।

प्रशासन की ओर से पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैंड एवं आईजीआईएमएस को सिमुलेशन स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है। यहां राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। मॉकड्रिल के दौरान पुलिस, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस एवं अन्य एजेंसियों की तत्परता का परीक्षण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि आवश्यक सेवाओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अस्पतालों में ब्लैकआउट के दौरान खिड़कियों पर कर्टेन या क्यूबिकल पर्दे लगाए जाएंगे। मॉक अभ्यास से पूर्व 13 मई को पटना समाहरणालय में टेबल-टॉप एक्सरसाइज का आयोजन भी किया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से सहयोग करने और अधिक से अधिक नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। किसी भी आपात सूचना के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 0612-2210118, जिला नियंत्रण कक्ष 0612-2219810/2219234 या डायल 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

मगध विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में ''उर्दू शोध का वर्तमान परिदृश्य और उसके मुद्दे'' विषय पर व्याख्यान आयोजित

संवाददाता

बोधगया: मगध विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के तत्वावधान में ''उर्दू शोध का वर्तमान परिदृश्य और उसके मुद्दे'' विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अबुल लैस शम्सी ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. तरन्नुम जहाँ ने निभाई। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. शाहिद रिजवी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सम्मी इकबाल, डॉ. शकीला निगार, डॉ. ज़ियाउल्लाह अनवर सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर सफदर इमाम कादरी शामिल हुए।

अपने विस्तृत और सारगर्भित व्याख्यान में प्रो. सफदर इमाम कादरी ने वर्तमान दौर में उर्दू शोध की स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा को केवल समस्याओं के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि उसके व्यापक अवसरों के साथ भी देखा जाना चाहिए। उन्होंने बड़ी साहित्यिक हस्तियों का उदाहरण देते हुए मातृभाषा उर्दू को महत्व देने की बात कही तथा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की सलाह दी।

उन्होंने छात्रों को अध्ययन की ओर गंभीरता से प्रेरित करते हुए कहा कि आज जो सीखा जाएगा, वही आने वाले तीस-चालीस वर्षों तक उनके व्यक्तित्व और शिक्षण का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक की योग्यता ही उसके विद्यार्थियों के निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। प्रो. कादरी ने काजी अब्दुल वदूद का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने औपचारिक रूप से उर्दू-फारसी की शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, लेकिन अपनी असाधारण क्षमता के बल पर उर्दू शोध में महत्वपूर्ण स्थान बनाया। उन्होंने शोधार्थियों की कमियों की ओर संकेत करते हुए कहा कि आज के शोधार्थी कई आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियों से दूर रहते हैं, जबकि मजबूत शोध और आलोचना के लिए व्यापक अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने उर्दू के सही इमला और उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि भाषा की तहजीब उसकी सही लिखावट और उच्चारण में निहित होती है, जिसकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने केवल सरकार को दोष देने या उर्दू का मातम करने के बजाय व्यक्तिगत स्तर पर भी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने पर जोर दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को उर्दू भाषा के माध्यम से रोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा जल्द ही कई पदों पर नियुक्तियाँ निकाली जाने वाली हैं, जिसका लाभ छात्रों को उठाना चाहिए। साथ ही उन्होंने भाषाविज्ञान की शिक्षा पर बल देते हुए शोधार्थियों को अपनी क्षेत्रीय भाषाओं पर भी शोध करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ''मगही भाषा पर उर्दू के प्रभाव'' तथा ''मिथिला और उर्दू के संबंध'' जैसे विषय शोध के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन आज अधिकांश शोधार्थी आसान विषयों का चयन करते हैं।

कार्यक्रम में प्रोफेसर शाइस्ता अंजुम ने भी अपने संबोधन में शोधार्थियों और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अबुल लैस शम्सी ने इस विषय को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि मुख्य अतिथि का व्याख्यान न केवल विद्यार्थियों बल्कि शिक्षकों के लिए भी अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने मुख्य अतिथि, उपस्थित शिक्षकों तथा विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में उर्दू विभाग के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे और सभी ने गंभीरता एवं उत्साह के साथ वक्ताओं के विचारों को सुना।

परीक्षा देकर घर लौट रही छात्रा को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, डंपर-स्कॉर्पियो जब्त

संवाददाता

गयाजी शेरघाटी: शेरघाटी थाना क्षेत्र में बुधवार को सड़क हादसे में बीए पार्ट टू की एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल छात्रा की पहचान सोनेखाप गांव निवासी गोपाल यादव की पुत्री मनोरमा कुमारी के रूप में हुई है. वह प्रोफेसर विजय शंकर राय महिला कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र से सोशियोलॉजी की परीक्षा देकर लौट रही थी.

जानकारी के अनुसार, परीक्षा समाप्त होने के बाद छात्रा जीटी रोड पार कर घर जाने के लिए वाहन पकड़ने जा रही थी. इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने एक स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क पार कर रही छात्रा से जा टकराई. हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर बेहोश हो गई. घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल छात्रा को इलाज के लिए शेरघाटी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए. सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुर्घटना में शामिल स्कॉर्पियो और डंपर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है. पुलिस के अनुसार मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है.

मुख्यमंत्री से मिले साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ

साहित्य, संस्कृति और शिक्षा को प्राथमिकता देने का किया आग्रह, पुस्तक-लोकार्पण के लिए दिया आमंत्रण

संवाददाता

पटना। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से उनके १ अणे मार्ग स्थित आवासीय कार्यालय में भेंट की तथा साहित्य, संस्कृति और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। डा सुलभ ने मुख्यमंत्री को स्मरण दिलाया कि वे बिहार के मंदिरों और गुरुद्वारा आदि पुण्य-स्थलों से आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं, यह अच्छी बात है, किंतु बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन भी साहित्य का एक प्राचीन मंदिर ही है, जहाँ आकर उन्हें दिवंगत ऋषि-साहित्यकारों का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए । डा सुलभ ने उन्हें मधुबनी-कला से युक्त वन्दन-वस्त्र और पुष्प गुच्छ देकर बधाई भी दी तथा भगवान श्री राम की बिहार यात्रा के क्रम में प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर पड़े उनके चरण, उन स्थलों की महिमा और ऐतिहासिक-आध्यात्मिक महत्त्व पर दस वर्षों के शोध पर आधारित अनेक अचंभित करने वाली तथ्यपूर्ण सूचनाओं से समृद्ध, चर्चित शोध-लेखक श्री रवि संगम द्वारा लिखित और साहित्य सम्मेलन द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'रामायण परिपथ, बिहार' के लोकार्पण हेतु आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने हर्ष के साथ सम्मेलन आने की इच्छा व्यक्त की तथा आश्वस्त किया कि तिथि निर्धारित कर वे अपने कार्यक्रम से अवगत कराएँगे।

डा सुलभ ने पत्र लिख कर भी बिहार में उत्तर प्रदेश सहित अनेक प्रांतों में स्थापित हिन्दी संस्थानों की भाँति बिहार में भी 'बिहार हिन्दी संस्थान' की स्थापना, 'हिन्दी प्रगति समिति, बिहार' के पुनर्गठन तथा बिहार की भाषायी अकादमियों को सक्षम और समृद्ध बनाने का आग्रह भी किया है।

बक्सर स्टेशन पर अंतरराज्यीय महिला गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

दानापुर मंडल में आरपीएफ एवं जीआरपी के संयुक्त अभियान में बक्सर स्टेशन पर तीन महिला अपराधियों को पकड़ा गया तथा बाढ़ स्टेशन पर 294 कैन बियर बरामद किया गया। ऑपरेशन ''सतर्क'' के तहत आरपीएफ पोस्ट बख्तियारपुर द्वारा विशेष नाइट चेकिंग एवं गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अथमलगोला स्टेशन पर सिग्नल एवं सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई, जहां सभी व्यवस्था सामान्य पाई गई। इसके उपरांत आरपीएफ टीम द्वारा बाढ़ स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22587 सियालदाह-वाराणसी अमृत भारत एक्सप्रेस के आगमन के समय गुप्त निगरानी की गई। निगरानी के क्रम में उक्त ट्रेन रात्रि 02:19 बजे एसीपी (Alarm Chain Pulling) हुई। तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ टीम द्वारा जांच की गई, जिसमें दो व्यक्तियों को सात झोलों में कुल 294 कैन किंगफिशर स्ट्रांग प्रीमियम बीयर के साथ पकड़ा गया। जप्त बीयर की प्रत्येक कैन 500 एमएल क्षमता की तथा प्रत्येक की कीमत लगभग 150/- पाई गई। सभी बीयर पर ''For Sale Only Jharkhand'' अंकित था। जप्त बीयर की कुल मात्रा 147 लीटर एवं कुल अनुमानित कीमत 44, 100/- आंकी गई।

बाढ़ स्टेशन पर 294 केन बीयर बरामद किया गया

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचानः मौसम कुमार, उम्र 19 वर्ष, पिता मुकेश महतो, निवासी पॉथमां, थाना बाढ़, जिला पटना। शशि कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता इलायची पासवान, निवासी भेंटगावां, थाना बाढ़, जिला पटना। आरपीएफ द्वारा जप्त बीयर एवं दोनों अभियुक्तों को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु लिखित शिकायत पत्र के साथ जीआरपी बाढ़ को सुपुर्द कर दिया गया है। जीआरपी बाढ़ द्वारा मामले के पंजीकरण की प्रक्रिया की जा रही है।

वहीं दूसरे मामले में 12.05.2026 को ''ऑपरेशन यात्री सुरक्षा'' के तहत आरपीएफ बक्सर एवं जीआरपी बक्सर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान अंतर्राज्यीय महिला अपराधी गिरोह की तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। घटना के अनुसार, गाड़ी संख्या 22670 के बक्सर स्टेशन से खुलते ही उक्त महिलाओं द्वारा यात्रियों के दो सोने के लॉकेट छीन लिए गए। तत्परता एवं सतर्कता दिखाते हुए आरपीएफ एवं जीआरपी की संयुक्त टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या-02 पर तीनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से चोरी गए दो सोने के लॉकेट कृत्रिम माला सहित बरामद किए गए।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचानः दुर्गावती देवी, उम्र 40 वर्ष, पति-जितेंद्र कुमार, निवासी- मीरगंज, थाना- खलीलाबाद, जिला- संत कबीर नगर (उ.प्र.) नंदिता देवी, उम्र 40 वर्ष, पतिझ मुन्ना प्रसाद, निवासी- परदाहा, थानाझ कोतवाली, जिला- मऊ (उ.प्र.) खुशबू कुमारी, उम्र 20 वर्ष, पति-रॉबिन प्रसाद, निवासी- परदाहा, थाना- कोतवाली, जिला- मऊ (उ.प्र.) जांच के दौरान गिरफ्तार महिलाओं के विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न थानों में चोरी एवं आपराधिक मामलों में संलिप्तता पाई गई। इस कार्रवाई में आरपीएफ के एएसआई उमेश कुमार राय, एचसी सियारामन प्रसाद, कांस्टेबल एसएनएस यादव, दीपक कुमार, राहुल यादव तथा जीआरपी टीम की सक्रिय भूमिका रही। गिरफ्तार अभियुक्तों एवं बरामद सामान को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु जीआरपी बक्सर को सुपुर्द कर दिया गया है। मामले के पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है।

औरंगाबाद के पूर्व डीएम सौरभ जोरवाल को शिक्षकों ने किया सम्मानित

संवाददाता

औरंगाबाद : एनआईओएस डीएलएड डिप्लोमाधारी टी आर ई द्वितीय के शिक्षकों ने औरंगाबाद के पूर्व डीएम एवं वर्तमान में पूर्वी चंपारण के डीएम श्री सौरभ जोरवाल जी को अंग वस्त्र, पौधा तथा सम्मान सह अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया।साथ ही जिला पदाधिकारी ने एनआईओएस टी आर ई द्वितीय के शिक्षकों एवं उनके अभिभावकों के सौजन्य से भारत सरकार के पर्यावरण की सेवा एवं संरक्षा के उद्देश्य से लागू किए गए "एक पेड़ मां के नाम" योजना के तहत समाहरणालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया एवं शिक्षकों को प्रकृति की सुरक्षा एवं संरक्षा करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सेवा एवं संरक्षण ही सच्ची मानव सेवा है, हर व्यक्ति को अपने जीवन में एक वृक्ष अवश्य लगानी चाहिए। हमारा पर्यावरण हरा भरा होगा तो हमारा जीवन भी हरा भरा होगा। एनआईओएस डीएलएड डिप्लोमाधारी शिक्षकों ने जिला पदाधिकारी की सहजता, सरलता, संजीदगी और न्यायप्रियता तथा आमजनों की समस्याओं का समाधान करने की अदभुत क्षमता से प्रभावित होकर उन्हें सम्मानित करने तथा उनके कर कमलों से समाहरणालय परिसर में वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में छठू सिंह, जिला अध्यक्ष सेवा पूर्व प्रशिक्षित नियोजित शिक्षक संघ औरंगाबाद सह अभिभावक एनआईओएस डिप्लोमाधारी बीपीएससी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका रही उनके साथ साथ अभिषेक कुमार, चंदन प्रभाकर, ओमनारायण सिंह, बलिराम शर्मा, शाइस्ता प्रवीण, मिनल सिंह, सरिता कुमारी, सुबोध कुमार, शमा परवीन, सुनील कुमार, प्रहलाद कुमार सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा उनके अभिभावक के रूप में आजाद खान असरार अहमद इत्यादि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीदी की रसोई एक्सप्रेस'' महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन का एक सशक्त उदाहरण : जिला पदाधिकारी

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा सत्येन्द्र नारायण पार्क के समीप संचालित जीविका दीदियों के फूड ट्रक ''दीदी की रसोई एक्सप्रेस'' का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी महोदया ने जीविका दीदियों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिला पदाधिकारी महोदया ने कहा कि जीविका दीदियों द्वारा संचालित ''दीदी की रसोई एक्सप्रेस'' महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन का एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है तथा इस प्रकार के प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं।

निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी महोदया ने फूड ट्रक पर उपलब्ध विभिन्न व्यंजनों का स्वाद भी लिया एवं भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा स्वाद की प्रशंसा की। उन्होंने जीविका दीदियों को स्वच्छता मानकों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने एवं अपने उद्यम को और विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद औरंगाबाद, डीपीएम जीविका, जीविका कर्मी एवं जीविका दीदियाँ उपस्थित थीं।

सांसद अभय कुशवाहा के काफिले पर हमले की डुमरिया जिला पार्षद सदस्य ने की कड़ी निंदा

संवाददाता

गयाजी, डुमरिया: अभय कुशवाहा के काफिले पर अपराधियों द्वारा हमला कर उनके निजी सचिव संजय कुमार एवं चालक के साथ मारपीट किए जाने की घटना की डुमरिया जिला परिषद क्षेत्र संख्या 32 के सदस्य रविन्द्र राम ने घोर निंदा की है.उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर सीधा हमला बताते हुए सरकार से दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है. रविन्द्र राम ने कहा कि अपराधियों के मनोबल को तोड़ने के लिए ऐसे मामलों में कठोर से कठोर कार्रवाई जरूरी है.

उन्होंने राज्य सरकार एवं प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि घटना में शामिल सभी हमलावरों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा सांसद अभय कुशवाहा की सुरक्षा बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. जानकारी के अनुसार, सांसद अभय कुशवाहा मदनपुर थाना क्षेत्र के श्रीडीह गांव में आयोजित एक कार्यक्रम से लौट रहे थे. इसी दौरान हसनवार गांव के समीप हमलावरों ने उनके काफिले की एक गाड़ी पर हमला कर दिया.घटना के समय जिस वाहन पर हमला हुआ, उसमें सांसद मौजूद नहीं थे.

एमयू : एल्युमनी मीट महासंगम 2026 की समीक्षा हेतु बैठक

संवाददाता

बोधगया: मगध विश्विद्यालय, बोधगया अन्तर्गत स्नातकोत्तर गणित विभाग के रामानुज सभागार में एल्युमनी मीट महासंगम 2026 की समीक्षा हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति मगध विश्वविद्यालय प्रोफेसर शशि प्रताप शाही ने की। मंच पर कुलसचिव प्रोफेसर बिनोद कुमार मंगलम, मानविकी संकायाध्यक्ष एवं एल्युमनी मीट (महासंगम 2026) की समन्वयक प्रो निभा सिंह, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो एस पी एन यादव "दीन", कुलानुशासक प्रो के डी वर्मा, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो मुकेश कुमार की भी उपस्थिति रही। बैठक के प्रारंभ में प्रो निभा सिंह ने महासंगम 2026 की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की। माननीय कुलपति महोदय ने यह घोषणा की कि अगले एल्युमनी मीट का आयोजन 27और 28 फरवरी 2027 को किया जाएगा। शिक्षकों से कार्यक्रम को लेकर उनके विचार सुने गए।शिक्षकों ने कार्यक्रम में सुधार हेतु अपने सुझाव दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ परम प्रकाश राय द्वारा किया गया। कुलपति महोदय ने इस विचार के साथ बैठक का समापन किया कि आज से ही अगले एल्युमनी मीट की तैयारी शुरू कार्य दी जायेगी। सारी आलोचनाओं को आत्मसात करते हुए एक बेहतर कार्यक्रम की रूपरेखा बनायी जायेगी। जिन शिक्षकों ने अपने विचार अभिव्यक्त किये उनमें विज्ञान संकाय से डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ सुमित सिंह, मानवीकी संकाय से डॉ शकीला, डॉ इफत, डॉ ममता मेहरा, सामाजिक विज्ञान संकाय से डॉ मिनाक्षी, डॉ कविता कुमारी, डॉ वंदना कुमारी, कॉमर्स से डॉ विनीता, एआई एंड एएस विभाग के डॉ अलका मिश्रा, मेडिकल ऑफिसर डॉ0 बी पी नलिन एवं फिजीयोथेरोपी विभाग के निदेशक श्रीमती पूनम उल्लेखनीय रहे।

संक्षिप्त खबरें

डब्ल्यूपीएल 2025 की स्टार शबनम इस्माइल की वापसी, टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के लिए फिर गरजेंगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है और इस बार सबसे ज्यादा चर्चा अनुभवी तेज गेंदबाज शबनिम इस्माइल की वापसी को लेकर हो रही है। 37 वर्षीय शबनिम इस्माइल ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन अब वह एक बार फिर विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की जर्सी में खेलती नजर आएंगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, शबनिम इस्माइल लंबे समय से फ्रेंचाइजी क्रिकेट में लगातार सक्रिय थीं। उन्होंने महिला प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस के साथ खिताब भी जीता था। संन्यास के बाद उन्होंने दुनियाभर की अलग-अलग टी20 लीगों में कुल 90 से ज्यादा मुकाबले खेले, जिससे उनकी फिटनेस और फॉर्म दोनों बरकरार रहीं। दक्षिण अफ्रीका टीम की कप्तानी लौरा वोल्वार्ड्ट को सौंपी गई है। टीम में मारिजान कैप और पूर्व कप्तान डेन वान नीकेर्क की भी वापसी हुई है। गौरतलब है कि मारिजान कैप हाल ही में बीमारी के कारण टीम से बाहर थीं, जबकि डेन वान नीकेर्क ने पिछले साल संन्यास से वापसी की थी और उसके बाद कुछ अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच मंडला माशिमबीयी ने शबनिम इस्माइल की वापसी को टीम के लिए बेहद अहम बताया है। उन्होंने कहा कि शबनिम के अंदर अभी भी देश के लिए कुछ खास करने की भूख दिखाई देती है और उनका अनुभव टीम को बड़े मुकाबलों में फायदा पहुंचाएगा। बता दें कि टीम में युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है। पूर्व अंडर-19 कप्तान कायला रेनेके पहली बार सीनियर विश्व कप टीम में शामिल हुई हैं।

वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो भी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रही हैं। कराबो मेसो अंडर-19 विश्व कप 2025 में दक्षिण अफ्रीका टीम का हिस्सा थीं।

संजय बांगर ने खोला डेविड मिलर का राज, 'जब वो कवर पर मारे तो गेंदबाज खतरे में'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बल्लेबाज डेविड मिलर के शानदार प्रदर्शन की सराहना की, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने न सिर्फ लेग साइड पर दबदबा बनाए रखा बल्कि ऑफसाइड और कवर के ऊपर से आक्रामक शॉट भी खेले, जो उनके पूर्ण नियंत्रण का संकेत था। बांगर ने पंजाब की गेंदबाजी में विविधता की कमी की आलोचना की, क्योंकि वे ज्यादातर अनुमानित लेंथ और वाइड यॉर्कर पर निर्भर थे, धीमी गेंदों या कटर के बजाय। दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स पर रोमांचक तीन विकेट की जीत के साथ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 प्लेऑफ की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं। डेविड मिलर की 28 गेंदों पर खेली गई सनसनीखेज 51 रनों की पारी ने उनकी टीम को शानदार जीत दिलाई। बंगर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि जब डेविड मिलर पूरी लय में होते हैं, तो वो सिर्फ लेग साइड पर ही दबदबा नहीं कायम रखते। हम सब जानते हैं कि वो डीप मिड-विकेट और लॉन्ग ऑन के पार आसानी से छक्का मार सकते हैं। लेकिन जब वो ऑफसाइड और कवर्स के ऊपर से जोरदार शॉट लगाने लगते हैं, तो समझ जाइए कि वो एक अलग ही स्तर पर हैं। तब गेंदबाजों को समझ आ जाता है कि वे मुश्किल में हैं। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी और आउटफील्ड पर थोड़ी ओस भी थी।

विराट कोहली को बदनाम करो और पैसे पाओ, जर्मन इन्फ्लुएंसर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विराट कोहली के इंस्टाग्राम विवाद में एक नया मोड़ आ गया है। जर्मन इन्फ्लुएंसर और गायिका लिजलेज ने दावा किया कि कुछ पत्रकारों ने कथित तौर पर उन्हें कोहली पर झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे ऑफर किए थे। कोहली के अकाउंट से उनकी एक पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद अचानक सोशल मीडिया पर छा जाने वाली लिजलेज ने कहा कि उन्होंने प्रचार या पैसे के लिए क्रिकेटर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से मना कर दिया। फिल्मीमंत्रा मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में लिजलाज ने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने उनसे संपर्क किया था और वे कोहली के बारे में झूठे बयान दिलवाना चाहते थे। उन्होंने कहा, "कुछ पत्रकारों ने तो मुझे विराट कोहली के बारे में बुरी बातें कहने और उन पर आरोप लगाने के लिए पैसे भी ऑफर किए, लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगी?" लिजलाज ने यह भी साफ किया कि उनका कोहली को निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं था। वह उन्हें अपने पसंदीदा क्रिकेटरों में से एक मानती हैं। उन्होंने कहा, "मैं प्रचार या पैसे के लिए ऐसा कभी नहीं करूंगी।" इंफ्लुएंसर ने यह भी बताया कि उन्हें इस घटना के बारे में तब पता चला जब उनके फोन पर लगातार कॉल और मैसेज आने लगे। उन्होंने कहा, "मुझे तब पता चला जब लोग मुझे कॉल करने लगे। मैंने तो नोटिफिकेशन में भी नहीं देखा था।"

पाकिस्तान से आगे निकला भारत, बांग्लादेश की जीत के बाद डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में बड़ा फेरबदल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। टेस्ट में बांग्लादेश की ये पाकिस्तान पर लगातार तीसरी जीत है, वहीं अपने घर पर बांग्लादेश की ये पाकिस्तानी टीम पर पहली जीत है। इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2024 में उसके घर में 2-0 से टेस्ट सीरीज हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

दरअसल, बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया, जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए। दूसरी पारी में पाकिस्तान को पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी आरंभिक बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने सधी हुई शुरूआत दिलाई और दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की।

इसके बाद लगातार विकेट गिरने के बाद अंत में अशकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने 9 विकेट पर 240 रन घोषित की। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट कर 27 रन की बढ़त ली। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिलेट में होगा। पाकिस्तान-बांग्लादेश के पहले टेस्ट मैच के नतीजे का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकिल की प्वाइंट्स टेबल पर बड़ा असर पड़ा।

बांग्लादेश ने इस साइकिल में अपनी पहली जीत दर्ज की, और पाकिस्तान को पछाड़कर छठे स्थान पर पहुंच गया। पाकिस्तान अब सातवें स्थान पर गिर गया है। बांग्लादेश और पाकिस्तान दोनों ने WTC के मौजूदा चक्र में तीन मैचों में एक-एक जीत हासिल की है, लेकिन बांग्लादेश आगे है क्योंकि वह सिर्फ एक मैच हारा है, जबकि पाकिस्तान दो मैच हार चुका है।

आईपीएल प्लेऑफ की रेस में पंजाब का अहम मुकाबला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले चार मैच में हार से आहत पंजाब किंग्स को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। टूर्नामेंट के शुरूआती चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब किंग्स की टीम लगातार चार मैच हार चुकी है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। उसकी टीम को अगर शीर्ष चार में जगह पक्की करनी है तो उसे अपने शेष बचे मैचों में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। पंजाब कुछ समय पहले तक टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी, लेकिन इस प्रारूप और आईपीएल की प्रकृति ही ऐसी है कि भाग्य बहुत जल्दी किसी भी तरफ पलट सकता है। जैसा कि कप्तान श्रेयस अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद कहा, पंजाब किंग्स की इस मुश्किल स्थिति के लिए वे खुद ही जिम्मेदार हैं। टूर्नामेंट के पहले भाग में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजी विभाग की कमजोरियां सामने नहीं आई लेकिन अब उसके लिए यह चिंता का विषय बन गया है। दिल्ली के खिलाफ मैच में अय्यर और उनकी टीम जीत के करीब पहुंच गई थी लेकिन आखिरी पांच ओवरों में तेज गेंदबाजों ने अपनी लेंथ सही नहीं रखी। अर्शदीप सिंह की अगुवाई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण का इकॉनमी रेट 10 टीमों में

क्या मुंबई इंडियंस बिगाड़ेगी पूरा खेल

सबसे खराब है। आईपीएल के पहले हाफ में जेवियर बार्टलेट और अर्शदीप ने नई गेंद से अच्छा संयोजन प्रदान किया, लेकिन लॉकी फर्ग्यूसन की वापसी के बाद इसमें अस्थिरता देखने को मिली है। पंजाब ने पिछले मैच में बाएं हाथ के तीन तेज गेंदबाजों को मैदान पर उतारा, जिनमें बेन ड्वार्शियस भी शामिल थे, जो काफी महंगे साबित हुए। अर्शदीप ने जिन 11 मैचों में हिस्सा लिया है, उनमें से अधिकांश में उन्होंने प्रति ओवर 10 से अधिक रन दिए हैं।

अगर पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो प्रभसिमरन सिंह को रन बनाने होंगे ताकि वह शीर्ष क्रम में प्रियांश आर्य का साथ दे सकें। पंजाब की फील्डिंग भी पिछले कुछ मैच में अच्छी नहीं रही और उन्होंने कई कैच छोड़े जिससे टीम को नुकसान हुआ। पंजाब का सामना अब मुंबई इंडियंस से है जिसने अभी तक निराशाजनक प्रदर्शन किया है। लेकिन पंजाब को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की कोशिश नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह उसके समीकरण बिगाड़ने में सक्षम है। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले दो मैच में नहीं खेल पाए थे और यह देखना बाकी है कि वह पूरी तरह से फिट हो गए हैं या नहीं। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे सूर्यकुमार यादव बाकी बचे तीन मैचों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। रयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा से भी पावरप्ले में तूफानी शुरूआत की उम्मीद की जाएगी।

टीम इस प्रकार हैं: पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद।

केकेआर के खिलाफ आरसीबी की सबसे बड़ी टेंशन फिल साल्ट के बिना फेल हो रही सलामी जोड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), जो चोट के कारण सीजन के मध्य में अपने शानदार सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की अनुपस्थिति से जूझ रही है, बुधवार को रायपुर में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच के दौरान अपनी सलामी जोड़ी से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले साल आरसीबी की चैंपियनशिप जीत के दौरान, साल्ट और विराट की सलामी जोड़ी ने आक्रामक क्रिकेट खेलने का एक नया मानक स्थापित किया था, भले ही उनकी व्यक्तिगत क्रिकेट शैली एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थी। हालांकि, इस बार आरसीबी की सलामी जोड़ी, जिसमें अब तक दूसरे हाफ में युवा जैकब बेथेल भी शामिल हैं, उतनी सफल नहीं रही है।

पिछले साल, विराट की साल्ट और बेथेल (बाद वाले दो मैचों के लिए) के साथ जोड़ी ने 45.46 के औसत और 10.30 के रन-रेट से 682 रन बनाए, जिसमें सात पचास रन से अधिक की साझेदारियां शामिल थीं। हालांकि, इस सीजन में, क्रिकबज के आंकड़ों के अनुसार, 11 पारियों में उनका स्कोर घटकर 332 रन रह गया है, औसत 30.16 और रन-रेट 9.91 है, जिसमें केवल दो पचास से अधिक रनों की साझेदारियां शामिल हैं। इनमें से 227 रन साल्ट-कोहली की जोड़ी ने छह पारियों में बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक पचास रनों की साझेदारी शामिल है।

दूसरी ओर, बेथेल की टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, उन्होंने पांच पारियों में केवल 70 रन बनाए हैं, औसत 14.00 और स्ट्राइक रेट 120.69 है, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 27 है और केवल दो बार 20 से अधिक रन बनाए हैं। पिछले दो मैचों में विराट कोहली का लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होना भी स्थिति को और खराब कर रहा है, उनकी सर्वोच्च साझेदारी गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 34 रनों की रही है।

साल्ट उंगली की चोट के स्कैन के बाद भारत लौट आए हैं, इसलिए यह निश्चित नहीं है कि वह केकेआर के खिलाफ खेलेंगे या नहीं। लेकिन साल्ट खेलें या न खेलें, आरसीबी को अपने सलामी जोड़ी से पिछले सीजन की तरह शानदार प्रदर्शन की सख्त जरूरत है।

आईपीएल पॉइंट्स टेबल में जीटी का दबदबा, कप्तान गिल ने बताया- 160 रन बनाकर कैसे जीतते हैं मैच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंची गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि पहले बल्लेबाजी करना उनकी टीम के लिये फायदेमंद रहा। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी के लिये भेजा था। गुजरात के पांच विकेट पर 168 रन के जवाब में सनराइजर्स 14 . 5 ओवर में 86 रन पर आउट हो गए।

गिल ने मैच के बाद कहा ,'' पहले बल्लेबाजी करना हमें रास आया। हमने अच्छी गेंदबाजी भी की जो जरूरी था।'' उन्होंने कहा ,'' हमने इस पर बात की थी कि अगर 160 . 170 रन बना लिये तो हमारे गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनके लिये आसान नहीं होगा। हमने पावरप्ले में बेहतरीन गेंदबाजी की। हमारे दोनों गेंदबाजों को शाबासी।'' उन्होंने कहा ,'' हम किसी खास शैली या ब्रांड का क्रिकेट नहीं खेलते हैं। हम हालात का आकलन करके उसके मुताबिक खेलते हैं।

एसआरएच की शर्मनाक हार के बाद कप्तान पैट कमिंस पर एक्शन

स्लो ओवर-रेट के लिए बीसीसीआई ने दी सजा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मौजूदा आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटन्स से मिली हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। उन्हें मैच के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने का दोषी पाया गया था और चूंकि यह इस सीजन में उनका पहला अपराध था, इसलिए आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उन्हें न्यूनतम जुमार्ने के साथ छोड़ दिया गया।

इस बीच, हैदराबाद को गुजरात के हाथों मैच में शर्मनाक 82 रनों की हार का सामना करना पड़ा। गुजरात के तेज गेंदबाजों के सामने उनकी बल्लेबाजी ध्वस्त हो गई, जिन्होंने दूसरी पारी में बेहद आक्रामक खेल दिखाया। मात्र 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन एक बार जब उनके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज आउट हो गए, तो विकेट ताश के पत्तों की तरह गिरते चले गए। उनका मध्य क्रम दबाव को संभालने में विफल रहा और अंततः 86 रनों पर ऑल आउट हो गया।

गुजरात के लिए कागीसो रबाडा और जेसन होल्डर ने तीन-तीन विकेट लिए। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मेजबान टीम को आसान जीत दिलाई और इसके साथ ही शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। सीजन की शुरूआत में उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा था, शुरूआती सात मैचों में से चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन होल्डर के नियमित रूप से खेलने के बाद

टीम की रणनीति बदल गई और इसी बदौलत उन्होंने लगातार पांच मैच जीते।

वॉशिंगटन सुंदर ने एक बार फिर अहम पारी खेलकर गुजरात को पहली पारी में मैच में बने रहने में मदद की। उन्होंने अर्धशतक बनाया और साई सुदर्शन के साथ 60 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे मेजबान टीम 64 रनों पर चार विकेट गिरने के बाद संभल पाई। मैच के बाद उन्होंने लीग के दूसरे हाफ में गुजरात की निरंतरता का श्रेय टीम प्रबंधन को दिया। सुंदर ने स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव में कहा कि इसका बहुत महत्व है। यह सीजन बेहद प्रतिस्पर्धी रहा है, हर टीम ने हमें कड़ी टक्कर दी है। लगातार पांच मैच जीतना हमारी टीम की निरंतरता को दशार्ता है। साथ ही, जो रणनीति हमारे लिए कारगर साबित हुई है, उस पर टिके रहना भी एक चुनौती है। कई बार एक साथ कई चीजें करने की कोशिश में लय बिगड़ जाती है, लेकिन मुझे लगता है कि हमने ऐसा होने से बचा लिया है। इस स्पष्टता और निरंतरता को बनाए रखने के लिए टीम को बहुत श्रेय जाता है।

विनेश फोगट का मामला पीएम मोदी तक पहुंचा

साक्षी मलिक ने की निष्पक्ष ट्रायल की अपील

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती जगत में इन दिनों विनेश फोगाट और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच चल रहा विवाद लगातार चर्चा में बना हुआ है। अब इस मामले में ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक भी खुलकर विनेश के समर्थन में उतर आई हैं। साक्षी ने कहा है कि महिला खिलाड़ियों को मां बनने के बाद भी अपने खेल करियर को आगे बढ़ाने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार, विनेश फोगाट ने हाल ही में गोंडा में आयोजित राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की कोशिश की थी। हालांकि भारतीय कुश्ती महासंघ ने उन्हें अयोग्य बताते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी। महासंघ का कहना है कि संन्यास के बाद वापसी करने वाले खिलाड़ियों को डोपिंग नियमों के तहत छह महीने की अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी करनी होती है।

गौरतलब है कि विनेश फोगाट करीब 10 महीने पहले मां बनी थीं और अब

वह दोबारा प्रतिस्पर्धी कुश्ती में लौटना चाहती हैं। लेकिन महासंघ के फैसले के बाद विवाद और बढ़ गया है। इस पूरे मामले पर साक्षी मलिक ने सामाजिक माध्यम पर साझा किए गए एक वीडियो में अपनी बात रखी। साक्षी मलिक ने कहा कि वह आमतौर पर राजनीतिक मामलों से दूरी बनाकर रखती हैं, क्योंकि विनेश अब कांग्रेस की विधायक भी हैं। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और यह महिला खिलाड़ियों के अधिकारों से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों में महिला खिलाड़ियों को मां बनने के बाद खेल में वापसी के लिए नियमों में राहत दी जाती है, ताकि उनका करियर जारी रह सके। लेकिन भारत में ऐसे नियम बनाए जा रहे हैं जो विनेश फोगाट की वापसी को मुश्किल बना रहे हैं। साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय कुश्ती महासंघ से अपील करते हुए कहा कि विनेश को निष्पक्ष ट्रायल का मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विनेश दोबारा देश के लिए पदक जीत सकती हैं और मां बनने के बाद भी महिलाओं के लिए प्रेरणा बन सकती हैं। बता दें कि विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान फाइनल मुकाबले से पहले केवल 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला किया था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। बाद में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और हरियाणा की जुलाना विधानसभा सीट से विधायक चुनी गईं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अब विनेश की वापसी को लेकर खेल जगत में बहस तेज हो गई है।

कई खिलाड़ी और खेल प्रेमी यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या मां बनने के बाद महिला खिलाड़ियों को वापसी का समान अवसर मिलना चाहिए या नहीं। वहीं भारतीय कुश्ती महासंघ अपने नियमों पर कायम दिखाई दे रहा है।

एल क्लासिको का हाई ड्रामा, बार्सिलोना स्टार गेवी और विनीसियस के बीच हाथापाई की नौबत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच खेला गया मुकाबला पूरी तरह हाई वोल्टेज ड्रामे से भरा रहा। मैदान पर खिलाड़ियों के बीच लगातार तनाव और तीखी बहस देखने को मिली, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा बार्सिलोना के गावी और रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर के बीच हुई भिड़ंत की हो रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के दौरान दोनों खिलाड़ी कई बार आमने-सामने आए और एक-दूसरे को उकसाने की कोशिश करते दिखाई दिए। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ता गया, दोनों के बीच तनाव भी बढ़ता चला गया। सोशल मीडिया पर अब इस बहस के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं।

बताया जा रहा है कि मैच के दौरान रियल मैड्रिड के स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर बार्सिलोना समर्थकों की ओर इशारा करते हुए चैंपियंस लीग जीत को लेकर कुछ प्रतिक्रिया दे रहे थे। इसके बाद गावी ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, ''तुम्हारा बैलन डी ओर

कहां है?'' इस पर विनीसियस ने हंसते हुए जवाब दिया कि उनके पास चैंपियंस लीग खिताब हैं।

गौरतलब है कि इसके बाद भी दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस खत्म नहीं हुई। मैच के दूसरे हाफ में भी दोनों के बीच तीखी बातचीत हुई। मौजूद जानकारी के अनुसार, विनीसियस ने माहौल शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि वह अपना धैर्य बनाए हुए हैं। लेकिन गावी ने तुरंत पलटवार करते हुए उन्हें खेल पर ध्यान देने और बेवजह हरकतें बंद करने की बात कही। मुकाबले के दौरान सिर्फ गावी ही नहीं, बल्कि बार्सिलोना के फॉरवर्ड फेरान टोरेस भी विनीसियस जूनियर पर नाराज नजर आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बार्सिलोना बेंच से भी विनीसियस के खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं सुनाई दीं।

वर्ल्ड कप में मेस्सी को पछाड़ने का आखिरी मौका

क्या क्रिस्टियानो रोनाल्डो जीत पाएंगे फुटबॉल का सबसे बड़ा खिताब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पिछले दो दशक से भी अधिक समय से फुटबॉल जगत में अपने पांवों का जादू बिखरने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो अभी तक विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा नहीं बन पाए हैं और 41 साल की उम्र में अब उनके पास इस खेल की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीतने का आखिरी मौका होगा। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने लगभग हर ट्रॉफी अपने नाम की है लेकिन वह कभी विश्व कप नहीं जीत पाए। पांच बार बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए 226 मैच में 143 गोल किए हैं जो विश्व रिकॉर्ड है।

इस साल की शुरूआत में सऊदी प्रो लीग में अपनी क्लब टीम अल नासर की तरफ से खेलते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जिसके कारण वह एक अप्रैल को अटलांटा में पुर्तगाल और अमेरिका के बीच मैत्री मैच में नहीं खेल पाए थे। रोनाल्डो अगर चोटिल नहीं होते हैं तो उनका विश्व कप की टीम में शामिल होना निश्चित है। अगर वह विश्व कप में खेलते हैं तो वह 2014 में मिशिगन में रियाल मैड्रिड की तरफ से मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ खेले गए मैच के

बाद पहली बार अमेरिकी धरती पर खेलेंगे।

रोनाल्डो इस तरह से अर्जेंटीना के अपने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में खेलने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन सकते हैं। रोनाल्डो ने नवंबर में सीएनएन को बताया था कि यह विश्व कप 'निश्चित रूप' से उनका आखिरी विश्व कप होगा। पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप के में रखा गया है जहां उसका सामना कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो से होगा। इसे देखते हुए पुर्तगाल का अगले दौर में पहुंचना लगभग निश्चित लग रहा है। पुर्तगाल विश्व रैंकिंग में भले ही पांचवें स्थान पर काबिज हो, लेकिन पिछले साल नवंबर में क्वालीफाइंग में आयरलैंड के हाथों 2-0 की हार ने टीम को करारा झटका दिया था। यह हार इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि रोनाल्डो को एक डिफेंडर को कोहनी मारने के लिए लाल कार्ड दिखाया गया था। रोनाल्डो को दो मैच का प्रतिबंध झेलना पड़ा। पुर्तगाल ने वापसी करते हुए आर्मेनिया को 9-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। यह पुर्तगाल का नौवां विश्व कप होगा। टीम 1966 में तीसरे और 2006 में चौथे स्थान पर रही थी, जब रोनाल्डो ने विश्व कप में पदार्पण किया था। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल क्वार्टर फाइनल तक पहुंचा, लेकिन मोरक्को से 1-0 से हार गया। रोनाल्डो तब 51वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे थे। पुर्तगाल का पहला मैच 17 जून को 'ूस्टन में कांगो से होगा। कांगो ने विश्व कप में केवल एक बार 1974 में भाग लिया था। तब इस देश को जायरे के नाम से जाना जाता था।

पुर्तगाल को अपने ग्रुप में कोलंबिया से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है जिसमें मिडफील्डर जेम्स रोड्रिग्स जैसे खिलाड़ी हैं। यह कोलंबिया का सातवां विश्व कप है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचना था, जहां उसे मेजबान ब्राजील से हार का सामना करना पड़ा था। कोलंबिया 17 जून को मैक्सिको सिटी में उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उज्बेकिस्तान पहली बार विश्व कप में हिस्सा लेगा।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर 2026: पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत का दमदार प्रदर्शन, थाईलैंड ओपन के दूसरे राउंड में बनाई जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और पी वी सिंधू थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूनार्मेंट में बुधवार को सीधे गेम में जीत दर्ज करके दूसरे दौर में पहुंच गए। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21 . 14, 21 . 15 से हराया। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने चीनी ताइपै की तुंग सियू तोंग को मात दी। श्रीकांत का सामना चीनी ताइपै के सू लि यांग से होगा जबकि सिंधू डेनमार्क की अमेली शूल्ज से खेलेंगी। एशिया चैम्पियनशिप के फाइनल तक पहुंचे आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ 13 . 21, 21 . 17, 4 . 21 से पराजय झेलनी पड़ी जबकि तरूण मन्नेपल्ली जापान के ही कोकी वातानाबे से 12 . 21, 16 . 21 से हार गए। उन्नति हुड्डा और अनमोल खरब को क्रमशः थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग और चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त चेन यू फेइ ने हराया। हुड्डा को21-11 17-21 16-21 से पराजय मिली जबकि खरब को तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन ने 21-19 13-21 18-21 से हराया।

संक्षिप्त खबरें

जब जयललिता सरकार ने करुणानिधि के नए विधानसभा भवन को किया अस्पताल में बदलने का फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में AIADMK और DMK के बीच लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का एक बड़ा उदाहरण साल 2011 में देखने को मिला था, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि सरकार द्वारा बनवाए गए नए विधानसभा भवन को मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बदलने का फैसला लिया था। जयललिता सरकार का यह निर्णय सत्ता परिवर्तन के बाद पिछली सरकार की कई योजनाओं को पलटने की श्रृंखला का हिस्सा माना गया था। इससे पहले एआईएडीएमके सरकार ने डीएमके शासनकाल की 'कलैग्नर हाउसिंग स्कीम', 'कलैग्नर इंश्योरेंस स्कीम' और समान शिक्षा प्रणाली 'समाचेयर कल्वी' जैसे कई फैसलों में बदलाव किए थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री जयललिता ने कहा था कि नया विधानसभा भवन राज्य के सभी 36 सरकारी विभागों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसी वजह से भवन के ए ब्लॉक को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बदलने का निर्णय लिया गया। यह हिस्सा करीब 97,829 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ था। वहीं बी ब्लॉक को मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। उन्होंने दावा किया था कि अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में दिल्ली स्थित एम्स (AIIMS) जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जयललिता सरकार ने उस समय स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कहते हुए गरीब और कमजोर वर्गों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने पर जोर दिया था।

राजनीति से दूर, लैंबॉर्गिनी कार के मालिक, करते थे ये काम, प्रतीक यादव की इतनी है नेटवर्थ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई, 38 वर्षीय प्रतीक यादव का आज सुबह लखनऊ के एक सिविल अस्पताल में निधन हो गया। एक प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले प्रतीक यादव फिटनेस के प्रति उत्साही थे और रियल एस्टेट कारोबार में सक्रिय थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2024 में उनकी कुल संपत्ति 5.5 करोड़ रुपये से 7 करोड़ रुपये के बीच थी। खबरों के मुताबिक, उनकी वार्षिक आय लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी।

हालांकि, उनकी पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा यादव द्वारा दायर चुनावी हलफनामे से पता चला है कि दंपति की चल और अचल संपत्तियों का मूल्य लगभग 23 करोड़ रुपये था। जिम चलाने के अलावा, प्रतीक यादव रियल एस्टेट कारोबार से भी अच्छी खासी कमाई करते थे, जिसमें संपत्ति की खरीद-फरोख्त, निवेश और निर्माण परियोजनाएं शामिल थीं। एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ, प्रतीक यादव को लग्जरी कारों का भी शौक था और खबरों के मुताबिक उनके कलेक्शन में कई महंगी गाड़ियां शामिल थीं, जिनमें लगभग 5 करोड़ रुपये की लैम्बोर्गिनी भी थी। 2015 में, प्रतीक यादव ने अपना प्रमुख जिम व्यवसाय, आयरन कोर फिट, लॉन्च किया था और बाद में इस ब्रांड ने कई शाखाओं के साथ व्यापक विस्तार किया।

सोने पर 15% इंपोर्ट ड्यूटी, जीटीआरआई बोला- अब इंडिया-यूएई सीईपीए के रास्ते बढ़ेगा सोने का आयात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सोने पर आयात शुल्क बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने से मुक्त व्यापार समझौते के रास्ते दुबई से आयात बढ़ सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह बात कही। 'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव' (जीटीआरआई) के अनुसार, शुल्क बढ़ोतरी से भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के जरिये होने वाले बहुमूल्य धातुओं के आयात से आर्थिक गतिविधियों में बड़ा बदलाव आ सकता है। भारत ने शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) प्रणाली के तहत दुबई से सोने के आयात को सामान्य सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) दर से एक प्रतिशत कम शुल्क पर अनुमति दी थी। यह कोटा 2022 में 120 टन वार्षिक से शुरू हुआ था और 2027 तक बढ़कर 200 टन होने वाला है, जो भारत के कुल वार्षिक सोना आयात का लगभग एक-चौथाई है। जीटीआरआई ने कहा, '' नई एमएफएन शुल्क संरचना के तहत प्रभावी शुल्क 15 प्रतिशत होने पर यूएई कोटा के तहत आने वाला सोना 14 प्रतिशत पर आयात होगा। शुल्क अंतर बढ़ने से वैश्विक सरार्फा का अधिक प्रवाह दुबई के रास्ते हो सकता है। भले ही यूएई सोने या चांदी का खनन नहीं करता है।'' सीईपीए के तहत भारत ने मई, 2022 से शुरू 10 वर्ष की अवधि में चांदी पर आयात शुल्क को 10 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने पर भी सहमति जताई थी।

आरबीआई का बंपर डिविडेंड बनेगा सरकार का बड़ा हथियार, पश्चिम एशिया संकट से निपटने में मिलेगी ताकत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस वर्ष सरकार को अब तक का सबसे अधिक लाभांश दिए जाने की संभावना है। इससे केंद्र को पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय मदद मिल सकेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। आरबीआई ने 2024-25 के लिए केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभांश दिया था जो इससे पिछले वर्ष 2023-24 के 2.11 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक था। सूत्रों ने बताया कि आरबीआई इस महीने होने वाली अपनी निदेशक मंडल की बैठक में लाभांश की राशि पर निर्णय ले सकता है। किसी भी वित्त वर्ष के लिए हस्तांतरण योग्य अधिशेष का निर्धारण आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृत संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचे (ईसीएफ) के आधार पर किया जाता है। संशोधित ढांचे के अनुसार, आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) के तहत जोखिम प्रावधान आरबीआई के बही-खाते के 4.50 से 7.50 प्रतिशत के बीच बनाए रखना होता है। बजट दस्तावेजों के अनुसार, केंद्र को 2026-27 में आरबीआई, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लाभांश और अधिशेष के रूप में 3.16 लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 3.75 प्रतिशत अधिक है। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने सतर्क अनुमान लगाया है लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 के लिए लाभांश भुगतान बजट अनुमान से अधिक हो सकता है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने 2025-26 में भी रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज किया है। बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, स्वस्थ ऋण विस्तार और अधिक आय ने 2025-26 के दौरान पीएसबी की लाभप्रदता में सुधार किया है।

ऐसा खेल खेल रहा...भारत का नाम लेकर नेतन्याहू का पाकिस्तान पर बहुत बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लाइव कैमरे पर पाकिस्तान पर एक होश उड़ा देने वाला खुलासा कर दिया है। यह खुलासा करने के बाद नेतन्याहू ने भारत पर भी बहुत बड़ा बयान दिया है। जंग के बीच नेतन्याहू के इंटरव्यू ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। एक अमेरिकी चैनल को इंटरव्यू देते हुए नेतन्याहू ने पाकिस्तान की इज्जत नीलाम कर दी है। इसके बाद नेतन्याहू भारत का नाम लेकर खुशी से भावुक हो गए। नेतन्याहू का ये बयान ऐसे मौके पर आया है जब पहली बार चीन ने खुलासा करते हुए कहा है कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में बैठकर पाकिस्तान को मदद दी थी। यानी ऑपरेशन सिंदूर में भारत एक तरीके से सीधे-सीधे चीन से लड़ रहा था। नेतन्याहू ने भारत पर क्या बयान दिया है।

बंगाल में अब सड़कों पर नमाज नहीं

अजान की तेज आवाज बंद, सीएम शुभेंदु का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के दूसरे राष्ट्रपति रहे प्रसिद्ध विद्वान सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा है कि शासन का उद्देश्य केवल सत्ता चलाना नहीं बल्कि समाज में नैतिकता और न्याय स्थापित करना है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अपने फैसलों से समाज में समानता और न्याय की स्थापना कर रहे हैं। सीएम ने आम नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नया आदेश जारी किया है। आदेश में कहा है कि पुलिस धार्मिक स्थलों पर लाउडस्कर की आवास को नियंत्रित करें। यानी किसी भी धार्मिक स्थल पर तय लिमिट से ऊंची आवाज में लाउडस्कर नहीं बजाया जाए। यह फैसला धार्मिक स्थलों के आसपास रहने वाले सामान्य नागरिकों को रोजाना होने वाली शोरगुल की परेशानी से बचाएगा। दूसरा आदेश है सड़कों पर होने वाली धार्मिक गतिविधियों को रोकने का। इस परेशानी के भुक्त भोगी सिर्फ पश्चिम बंगाल के लोग नहीं है। सभी हैं। आए दिन धार्मिक कार्यक्रमों के नाम पर सड़कें घेर ली जाती हैं। ट्रैफिक रोक दिए जाते हैं। आम आदमी घंटों जाम में फंसा रहता है। सीएम ने अपने आदेश में किसी

खास वर्ग या धर्म को रेखांकित नहीं किया है। आदेश में सनातन की समानता पर भाव है। किसी धार्मिक वर्ग को टारगेट करने का भाव नहीं है। जो भी ऊंची आवाज में धर्म स्थलों पर लाउडस्कर बजाएगा। जो भी धार्मिक कार्यक्रम के नाम पर रास्ता रोकेगा उसके खिलाफ कारवाई होगी। यही सत्ता का सनातन मॉडल है जो सभी नागरिकों को समान दृष्टि से देखता है। बीआर अंबेडकर ने कहा है कि न्याय हमेशा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आधार पर ही कायम रह सकता है। शुभेंदु सरकार ने अपने फैसले में न्याय का पालन किया। शोर से आम आदमी को परेशान करने वाले हर लाउडस्कर पर एक्शन होगा। धार्मिक कार्यक्रम के नाम पर सड़क रोकने वालों पर कारवाई होगी। हालांकि दुर्गा पूजा, ईद या अन्य समुदाय के बड़े त्यौहारों के दौरान होने वाले आयोजनों के लिए अलग नियम बनाए जाएंगे। धार्मिक कार्यक्रम के नाम पर जाम लगाने वाले हमें कितनी आर्थिक चोट पहुंचाते हैं इसका एक छोटा सा आंकड़ा जानकर आप हैरान रह जाएंगे। पश्चिम बंगाल में एक साल में 150 घंटे 150 घंटे आदमी जाम में फंसता है। इसकी बड़ी वजह धार्मिक आयोजन और राजनीतिक रैलियां होती हैं। जाम से पश्चिम बंगाल के लोगों को सालाना करीब 50 लाख करोड़ का आर्थिक नुकसान होता है। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल की बात कर रहे हैं। धर्म स्थलों पर लाउडस्कर और सड़कों पर धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर तीखा मतभेद रहा है। एक वर्ग विशेष आरोप लगाता है कि ऐसे आदेशों के जरिए खासतौर पर उन्हें टारगेट किया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो तुष्टीरण नीति के तहत इन्हें सड़क जाम करने और ऊंची आवाज में लाउडस्कर बजाने की खुली आजादी थी। यह तथ्य है कि शुभेंदु सरकार ने अपने आदेश में किसी धर्म या वर्ग को रेखांकित नहीं किया। लेकिन तुष्टीकरण वाली पॉलिसी का सुविधा भोगी। यह वर्ग इस आदेश से आक्रोशित है। जहां तक सवाल है 10 से 15 मिनट यही ना वक्त लगता है। ये लोग तो अपना जुलूस लेके जाते हैं तो तीन-ती घंटा रास्ते में जाम रहता है। उसके लिए कोई मतलब ये नहीं है। सबका साथ सबका विकास। तो आप ऐसा अगर आप रवैया अपनाइएगा तो ये तो ठीक नहीं है।

केरल में सीएम चेहरे पर सस्पेंस, शहजाद पूनावाला का तंज

'कांग्रेस पूरी तरह कन्फ्यूज है'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बुधवार को कहा कि केरल में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच कांग्रेस पार्टी असमंजस में है। 4 मई को नतीजे घोषित हो चुके हैं और कांग्रेस ने अभी तक मुख्यमंत्री पद के लिए कोई घोषणा नहीं की है। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए दूरबीन से कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 9 दिन बीत जाने के बाद भी कांग्रेस पार्टी पूरी तरह असमंजस में है... केरल में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला है, फिर भी असमंजस है... मुझे तो यह भी बताया गया कि पांच साल में पांच मुख्यमंत्री होंगे... जहां भी मुख्यमंत्री होता है, असमंजस की स्थिति होती है। आप कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की स्थिति देख सकते हैं। इस बीच, केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ ने बुधवार को कहा कि अगले मुख्यमंत्री की घोषणा आज दोपहर तक होने की उम्मीद है, क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के भीतर चल रही चचाएं लगभग पूरी

हो चुकी हैं। पत्रकारों से बात करते हुए जोसेफ ने कहा कि पार्टी नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस हाई कमांड के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। जोसेफ ने कहा कि हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा आज हो जाएगी। यह समझा जाता है कि सभी चचाएं पूरी हो चुकी हैं। हम आज घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। सोनिया गांधी अस्पताल में थीं, इसलिए इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा दिल्ली से की जाएगी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ द्वारा 2026 के विधानसभा चुनावों में निर्णायक जनादेश हासिल करने के दस दिन बाद भी केरल में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच ये बयान आए हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार का नाम तय करने के लिए कांग्रेस उच्च कमान नई दिल्ली में केरल के वरिष्ठ नेताओं से परामर्श कर रही है।

भरोसे के लायक नहीं, अमेरिका में पाकिस्तान की धुलाई का वीडियो वायरल

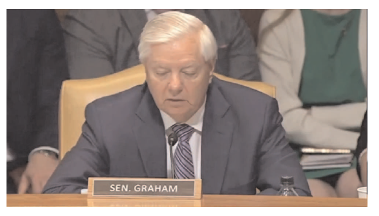

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान का असली चेहरा दुनिया के सामने शांति और मध्यस्था का ढोंग लेकिन पर्दे के पीछे वही पुराना डबल की और पाकिस्तान की इसी दोहरी चाल पर अब अमेरिका में भी सवाल उठने लगे हैं। ट्रंप के बेहद करीबी और रिपब्लिकन सेनेटर प्रिंसे ग्राहम ने पाकिस्तान को ऐसी फटकार लगाई है जिसे वो कभी नहीं भूल पाएगा। दरअसल अमेरिकी संसद में हुई एक सुनवाई के दौरान ग्राहम ने सीधे सवाल किया अगर पाकिस्तान सच में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता का निष्पक्ष मध्यस्थ है तो फिर ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह क्यों दे रहा है? दरअसल रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ट्रंप द्वारा सीज फायर की घोषणा के बाद ईरान के कुछ सैन्य विमान पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर उतारे गए थे। इनमें एक RC130 विमान भी शामिल बताया गया जो जासूसी और निगरानी मिशन के लिए इस्तेमाल होता है। ग्राहम ने अमेरिकी रक्षा अधिकारियों से पूछा कि क्या उन्हें इन रिपोर्ट्स की जानकारी है? जिसका जवाब मिला कि एक रिपोर्ट देखी है। लेकिन जैसे ही ग्राहम ने पूछा कि क्या यह सच है? अगर सच है तो क्या पाकिस्तान को निष्पक्ष मध्यस्थ माना जा सकता है? तो वहां बैठे अधिकारी गोलमोल जवाब देने लगे। यही बात ग्राहम को और भड़का गए। गुस्से में ग्राहम ने साफ कहा कि मैं पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता हूं। यानी अमेरिका के बड़े नेताओं के बीच भी अब पाकिस्तान की साख लगभग खत्म होती दिखाई दे रही। इब्राहिम ने आगे कहा कि अगर पाकिस्तान वाकई ईरानी सैन्य विमानों को अपनी जमीन पर छिपा रहा तो अमेरिका को तुरंत किसी और मध्यस्थ की तलाश करनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब समझ आता है कि यह पूरी बातचीत आगे क्यों नहीं बढ़ रही। देखिए उन्होंने क्या कुछ कहा। पाकिस्तान पाकिस्तान पार्कियन एयरक्राफ्ट? असल में यह चौंकाने वाला इसलिए भी नहीं है क्योंकि पाकिस्तान का असली चेहरा यही है। एक तरफ दुनिया के सामने शांति का संदेश देना। वहीं दूसरी तरफ आतंकियों और अपने खास साथियों को पर्दे के पीछे मदद करना। कभी अमेरिका से अरबों डॉलर की मदद लेना, कभी चीन के इशारों पर चलना और अब ईरान के साथ खड़े होने का खेल खेल रहा है। यह दोहरा खेल पाकिस्तान हमेशा से खेलते आया। हालांकि पाकिस्तान ने हमेशा की तरह इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ईरानी विमानों की मौजूदगी सिर्फ राजनयिक और लॉजिस्टिक सहयोग का हिस्सा थी। लेकिन सवाल यही है कि अगर सब कुछ सामान्य था तो फिर इतने सवाल क्यों उठ रहे हैं? दरअसल दुनिया अब पाकिस्तान की चाल समझ चुकी है। आतंकवाद के मुद्दे पर पहले ही उसकी छवि खराब थी और अब अमेरिका के भीतर भी उसकी डबल गेम पॉलिसी पर खुलकर सवाल उठ रहे हैं।

कुवैत ने आईआरजीसी पर घुसपैठ का आरोप लगाया, ईरान ने 'बेबुनियाद' बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ईरान की सरकारी मीडिया तस्नीम न्यूज एजेंसी की एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार रात ईरान ने कुवैत के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के सदस्यों ने कुवैती इलाके में घुसपैठ करने और दुश्मन वाली कार्रवाई करने की कोशिश की। कुवैत ने समुद्र के रास्ते बुबियान आइलैंड में घुसने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार करने की घोषणा की। ईरान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद और नामंजूर" हैं। तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान ने चार ईरानी एजेंटों के साथ हुई घटना के कुवैत के 'गलत राजनीतिक और प्रोपेगैंडा इस्तेमाल' की कड़ी निंदा की, जो एक रेगुलर समुद्री गश्त मिशन कर रहे थे। ईरान ने कहा कि ये लोग अपने नेविगेशन सिस्टम में रुकावट के बाद कुवैती पानी में घुस गए थे। मिनिस्ट्री ने कुवैत समेत सभी रीजनल देशों की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का सम्मान करने की ईरान की प्रिंसिपल पॉलिसी" को भी दोहराया और उम्मीद जताई कि कुवैती अधिकारी जल्दबाजी में की गई टिप्पणियों और बेबुनियाद आरोपों से बचेंगे और इसके बजाय ऑफिशियल चैनलों के जरिए मामले को आगे बढ़ाएंगे।

आयात शुल्क वृद्धि पर जीजेईपीसी की चेतावनी

महंगा होगा सोना, बढ़ेगी तस्करी, एमएसएमई विनिर्माताओं पर टूटेगा दुखों का पहाड़

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा सोने और चांदी पर आयात शुल्क को 6% से बढ़ाकर 15% करने के फैसले पर रत्न एवं आभूषण उद्योग ने कड़ी चिंता व्यक्त की है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद ने बुधवार को कहा कि शुल्क में इस भारी वृद्धि से आयात पर अंकुश लगने की संभावना कम है, बल्कि इससे केवल घरेलू कीमतें बढ़ेंगी और अवैध व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

जीजेईपीसी ने बयान में कहा, '' आयात शुल्क बढ़ाने से शायद ही कभी सोने का आयात घटता है। यह केवल कीमतें बढ़ाता है। हाल के समय में सोने की कीमतें दोगुनी होने के बावजूद आयात उसी अनुपात में नहीं घटा है।'' परिषद के अनुसार, उच्च शुल्क तस्करी को बढ़ावा देते हैं और निर्यात लागत बढ़ाते हैं। वहीं निर्यातकों को अब नामित एजेंसियों से शुल्क-मुक्त सोना लेने पर प्रति किलोग्राम 28-30 लाख रुपये की बैंक गारंटी देनी पड़ रही है जिससे कार्यशील पूंजी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। बयान में कहा गया कि इसका सबसे गंभीर असर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) विनिमार्ताओं पर पड़ेगा। परिषद में ऐसे 80 प्रतिशत सदस्य हैं जो ''गंभीर नकदी संकट'' का सामना कर रहे हैं।

सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर बुधवार को 15 प्रतिशत कर दिया। प्लैटिनम पर कर 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप सोने/चांदी के डोरे, सिक्के, अन्य वस्तुएं आदि पर भी कर में बदलाव किए गए हैं। सरकार के फैसले पर परिषद ने कहा कि उसने प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विनिमार्ताओं के साथ बैठक की है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को

पत्र लिखकर सोने के आयात को नियंत्रित करने के उपाय सुझाए हैं।

इन उपायों में 18 कैरेट और 14 कैरेट जैसे कम शुद्धता वाले आभूषणों को बढ़ावा देकर आयात में 20-30 प्रतिशत की कमी लाना, पुराने सोने के विनिमय कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना, भारत के अनुमानित 25,000 टन घरेलू सोना भंडार को उपयोग में लाने के लिए स्वर्ण मौद्रीकरण योजना को पुनर्जीवित करना तथा छड़ों, 'बिलेट' एवं सिक्कों में निवेश मांग को हतोत्साहित करना और आभूषण निर्यातकों के लिए विशेष प्रोत्साहन देना शामिल हैं। परिषद ने कहा कि वह स्वर्ण मौद्रीकरण योजना को बहाल करने पर एक विस्तृत दस्तावेज अलग से सरकार को सौंप रही है। बयान के अनुसार, '' जीजेईपीसी, सरकार से अपील करता है कि वह राजकोषीय लक्ष्यों को निर्यात वृद्धि के साथ संतुलित करने वाले स्थायी समाधानों पर बातचीत करे। जीजेईपीसी ने सरकार से अपील की है कि वह उद्योग के हितधारकों के साथ संवाद करे ताकि राजकोषीय लक्ष्यों और निर्यात वृद्धि के बीच संतुलन बनाया जा सके। परिषद जल्द ही स्वर्ण मौद्रीकरण योजना पर एक विस्तृत दस्तावेज सरकार को सौंपेगी।

उदयनिधि स्टालिन के 'सनातन' प्रहार पर विजय का 'ज्योतिष' कार्ड!

तमिलनाडु की राजनीति में धर्म और तर्क का नया संग्राम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में "द्रविड़ मॉडल" और "तर्कवाद" की दशकों पुरानी परंपरा को मुख्यमंत्री विजय के एक हालिया फैसले ने बड़ी चुनौती दे दी है। विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान जहाँ एक तरफ DMK ने सनातन धर्म पर तीखा हमला बोला, वहीं मुख्यमंत्री विजय ने अपने निजी ज्योतिषी को ओएसडी नियुक्त कर एक नई बहस छेड़ दी है। मंगलवार को विधानसभा सत्र के दौरान माहौल तब गरमा गया जब DMK नेता उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय की मौजूदगी में सीधा हमला बोला। स्टालिन ने कहा, "सनातन, जिसने लोगों को बाँटा है, उसे मिटा दिया जाना चाहिए।" दिलचस्प बात यह रही कि इस तीखी टिप्पणी के जवाब में सूट पहने विजय ने कोई आक्रामक तेवर नहीं दिखाए, बल्कि केवल हाथ जोड़कर शिष्टता दिखाई। उन्होंने संतुलित बयान देते हुए कहा, "यहाँ हर कोई महत्वपूर्ण है... अच्छे सुझावों को स्वीकार किया जाएगा और बुरे सुझावों को

अस्वीकार कर दिया जाएगा।" इस बातचीत के तुरंत बाद, विजय के निजी ज्योतिषी, राधन पंडित वेट्रिवेल को मुख्यमंत्री का 'विशेष कर्तव्य अधिकारी' नियुक्त करने की आधिकारिक घोषणा सुर्खियों में छा गई। इस नियुक्ति की टाइमिंग (समय) को लेकर तुरंत सवाल उठने लगे। ऐसा नहीं था कि विजय ने पहले से ही अपना मन नहीं बना रखा था, लेकिन घटनाओं का क्रम -- सनातन पर टिप्पणी, विजय का हाथ जोड़ने का इशारा, और फिर नियुक्ति की घोषणा -- ने राजनीतिक चर्चाओं को तेजी से हवा दे दी। DMK ने भी जल्द ही इस विवाद को लपक लिया; पार्टी के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने ट्वीट किया, "आप में से कई लोग सोच रहे होंगे कि हमारे नेता #UdhayStalin ने आज विधानसभा में क्या कहा। अब यह सोचते रहिए कि 'विशेष कर्तव्य अधिकारी' किसे बनाया गया है।" हालाँकि, बात यहीं खत्म नहीं हुई। बुधवार को जब फ्लोर टेस्ट शुरू हुआ, तो दोनों खेमों के नेताओं ने इस मुद्दे को इतनी आसानी से छोड़ने का फैसला नहीं किया। विजय के सहयोगी, विदुथलाई चिरुथाइगल काची ने सबसे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय में ज्योतिषी राधन पंडित वेट्रिवेल की नियुक्ति पर इशारों-इशारों में तंज कसा। VCK विधायक वन्नी अरसु ने कहा, "हमारी सरकार को वैज्ञानिक सोच को महत्व देना चाहिए, न कि ज्योतिष को।"

हालाँकि, स्टालिन की DMK की सहयोगी पार्टी, देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कजगम ने विजय पर तीखा हमला बोला; उसकी विधायक प्रेमलता विजयकांत ने इस नियुक्ति को "अस्वीकार्य" बताते हुए कहा कि यह "युवाओं को गलत संदेश दे रही है।" यह सब तब शुरू हुआ जब विजय ने शपथ लेते हुए कहा, "मैं, सी. जोसेफ विजय।" तब तक, विजय को ज्यादातर एक ही नाम से जाना जाता था, जैसे "थलपति" या सिर्फ."विजय।"

'कोई बड़ी बात नहीं', नीट-यूजी परीक्षा रद होने पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने देश भर में पेपर लीक के आरोपों के बीच NEET-UG 2026 परीक्षा रद किए जाने को ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि, "अगर सच में कोई गड़बड़ी हुई है, तो यह फैसला कोई बड़ी बात नहीं है। दिलावर ने 3 मई को हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा को रद करने और जांच CBI को सौंपने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बातें कही। उन्होंने आगे कहा, "जांच एजेंसियों को जरूर कोई गड़बड़ी मिली होगी, इसलिए इसे रद करना कोई बड़ी बात नहीं है।

जहां भी कोई गलत काम पाया जाएगा, सरकार उसे ठीक करने के लिए काम करेगी।" उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पेपर लीक ने राजस्थान में एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस नेताओं ने BJP के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर शर्मिंदगी से बचने के लिए मामले से जुड़ी जानकारी

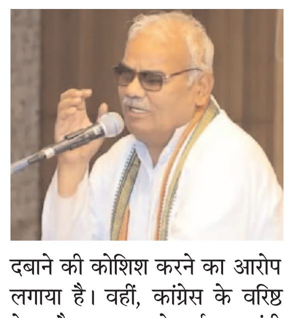

दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार को लीक के बारे में पहले से जानकारी थी, लेकिन उसने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने दावा किया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने परीक्षा से पहले एक संदिग्ध गेस पेपर के सकुर्लेशन के बारे में छात्रों से शिकायतें मिलने के बाद राजस्थान के DGP को अलर्ट किया था। गहलोत ने आगे कहा, "छात्रों ने 3 मई की परीक्षा के अगले ही दिन पेपर लीक के बारे में शिकायत करना शुरू कर दिया था।

होर्मुज पर हमारा कब्जा, डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कुवैत ने ईरान पर इस महीने की शुरूआत में उस द्वीप पर हमला करने का आरोप लगाया है, जहां चीन एक बंदरगाह निर्माण परियोजना में सहयोग कर रहा है।

हालांकि यह हमला विफल कर दिया गया। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन रवाना होने वाले हैं, जहां उनकी चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से युद्ध और अन्य मुद्दों पर महत्वपूर्ण वार्ता होनी है। ट्रंप ने कहा कि वह शी चिनफिंग के साथ ईरान पर ''लंबी बातचीत'' करेंगे, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापार उनका बड़ा मुद्दा रहेगा। चीन रवाना होने से पहले ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसके नेता परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करते, तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। ट्रंप ने कहा, ''ईरान पूरी तरह हमारे नियंत्रण में है। या तो समझौता होगा या फिर वे पूरी तरह तबाह कर दिए जाएंगे। किसी भी स्थिति में जीत हमारी होगी।'' ईरान ने कुवैत के आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कुवैत पहले भी युद्ध और संघर्षविराम के दौरान ईरानी हमलों का सामना कर चुका है। लेकिन यह नया आरोप और क्षेत्र में जारी हमले फिर से युद्ध का खतरा बढ़ा रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी ईरान के

समझौता करो या तबाह हो जाओ

मजबूत नियंत्रण में है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नाकेबंदी बनाए रखी है और दोनों देशों के बीच वार्ता ठप पड़ती दिख रही है। ईरानी राजनयिक काजिम गरीबाबादी ने मंगलवार को 'एक्स' पर लिखा, ''अपमान, धमकियों और जोर-जबरदस्ती वाली से वास्तविक शांति स्थापित नहीं की जा सकती।'' संघर्ष दोबारा भड़कने की आशंका के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात में आयरन डोम हवाई रक्षा प्रणाली और उसे संचालित करने वाले कर्मियों को भेजा है। इजराइल में अमेरिका के एक राजदूत ने यह जानकारी दी।

यह पहली बार है जब सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया गया कि इजराइली सेना संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तैनात की गई है। इससे इजराइल और यूएई के बीच बढ़ते संबंध भी उजागर हुए हैं। कुवैत ने कहा कि एक मई को ईरान की अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड की एक टीम ने फारस की खाड़ी के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित बुबियान द्वीप में घुसपैठ की कोशिश की। यह इलाका इराक और ईरान के करीब है। कुवैत के अनुसार, सुरक्षा बलों ने हमले को विफल कर दिया और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि दो फरार हो गए। बुबियान द्वीप पर मुबारक अल कबीर बंदरगाह का निर्माण हो रहा है, जो चीन की वैश्विक बुनियादी ढांचा परियोजना का हिस्सा है। युद्ध के दौरान इस क्षेत्र पर पहले भी ईरानी हमला हो चुका है। वहीं, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हथियारों के भंडार को लेकर जतायी जा रही चिंताओं के बीच कांग्रेस को बताया कि अमेरिकी सेना के पास पर्याप्त बम और मिसाइलें हैं।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794